दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

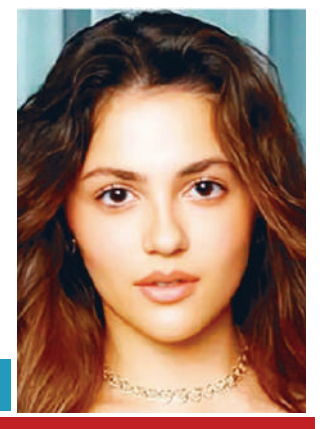

लोगों को बस बोलने का बहाना.....

रैंप वॉक और नए .....

वर्ष : 12 | अंक : 92 | लखनऊ, 26 मार्च ,गुरूवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

सात सिविल सर्जन सहित 17 का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने पांचों प्रमंडलों में क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (आरडीडी) और सात जिलों में सिविल सर्जनों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। स्वास्थ्य निदेशालय में तीन निदेशकों सहित कुल 19 चिकित्सा पदाधिकारियों को बदला गया है। झारखंड स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल देखने को मिली है, तीन निदेशक, 7 सिविल सर्जन सहित 17 का तबादला किया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

पूर्णिया। पूर्णिया में एक सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। शोरूम के पास हुआ। मृतक की पहचान रौतारा थाना क्षेत्र के चुरबि घाट निवासी अब्दुल शेख ,पिता-अलाउद्दीन शेख के रूप में हुई है।

खौलते पानी से झुलसा भांजा, मामी पर आरोप

दरभंगा। दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में गर्म पानी से जलकर तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी घायलों को पहले बिरौल पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, गांव में बच्चों को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी दौरान यह घटना हुई। घायल युवक के पिता मुजाहिद इस्लाम ने आरोप लगाया कि उनकी सरहज (रिश्तेदार) ने उनके बेटे पर खौलता हुआ गर्म पानी उड़ेल दिया।

सांबा में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

सांबा। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के सतर्क जवानों ने रामगढ़ सेक्टर में सीमा चौकी 'भल्लर' के सामने पाकिस्तान के एक बुजुर्ग नागरिक की संदिग्ध हरकत देखी और सीमा में घुसने का प्रयास करने पर उसे चेतावनी दी।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का सूचीकरण शुरू

पुरी। पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' की सूचीकरण की प्रक्रिया 48 वर्षों के अंतराल के बाद बुधवार को शुरू हो गई। मंदिर प्रशासन के अनुसार, अधिकृत कर्मियों ने पारंपरिक धोती और गमछा पहनकर सुबह करीब 11:30 बजे मंदिर में प्रवेश किया। [

रामलला को छह क्विंटल पंजीरी का लगेगा भोग

अयोध्या के राम मंदिर में राम नवमी पर रामलला की होगी महाआरती, सूर्य तिलक की भी तैयारी, मनेगा जन्मोत्सव

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/लखनऊ,

अयोध्या के राम मंदिर में रामनवमी का पर्व 27 मार्च को मनाया जाएगा। चैत्र शुक्ल महाअष्टमी की तिथि 26 मार्च को अपराह्न 2.11 बजे समाप्त होकर 27 मार्च को मध्याह्न 12.02 बजे तक रहेगी। इसके कारण 27 मार्च को ही मध्याह्न 12 बजे रामलला के प्राकट्य की महाआरती उतारी जाएगी। इस अवसर पर रामलला के पंचामृत सहित दिव्य औषधियों से अभिषेक व शृंगार के साथ प्राकट्य की महाआरती व सूर्य तिलक का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। राम मंदिर परिसर में पांच दर्जन से अधिक स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गयी है। इसके अलावा दूरदर्शन पर भी सीधा प्रसारण होगा जिसे श्रद्धालु गण अपने -अपने घरों पर भी देख सकेंगे। रामनवमी के पावन अवसर पर इस वर्ष श्री राम जन्मभूमि मंदिर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। राम जन्मोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर सकें। इस दिन राम मंदिर पूरे दिन खुला रहेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि रामनवमी के दिन प्रातः 6:30 बजे से अनुष्ठान शुरू होकर सुबह 11:00 बजे तक चलेंगे।

इस विशेष दिन मंदिर के कपाट पूरे दिन खुले रहेंगे और उन्हें बंद नहीं किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। आवश्यकता पड़ने पर दर्शन की अवधि को और बढ़ाया भी जा सकता है। दोपहर ठीक 12:00 बजे भगवान रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

चैत्र रामनवमी मेला भी लगेगा

पुरातन काल से रामनगरी में चैत्र रामनवमी मेले का आयोजन होता रहा है और हर मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भी उमड़ती रही। मेले में आने वाले ज्यादातर लोग राम के जन्मोत्सव का साक्षी होने को लालायित रहते हैं,जिसके चलते कनक भवन में भरी भीड़ उमड़ती है। अब राम जन्मोत्सव राममंदिर परिसर में भी आयोजित होने लगा है, लेकिन इसमें शामिल होने वालों की तादात सीमित होती है। इस बार भी राममंदिर के गर्भगृह में भव्यता के साथ जन्मोत्सव मनाये जाने की तैयारी है। रामलला के दर्शन-पूजन के लिए रोजाना अच्छी खासी भीड़ आ रही है और मेले के मुख्य पर्व पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने के उम्मीद जताई जा रही है।

लगेगा पंजीरी का विशेष भोग

रामलला को इस अवसर पर करीब छह क्विंटल पंजीरी का विशेष भेग अर्पित किया जाएगा। साथ ही मंदिर परिसर में इन दिनों "बधाई गान" का आयोजन लगातार चल रहा है, जिससे भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। जन्मोत्सव के दिन राम परिवार के दरबार में भी बधाई गान होगा।

सूर्य तिलक भी होगा

तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा अनिल मिश्र कहते हैं कि इन उपकरणों के सहारे मध्याह्न ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणें परावर्तित होकर भगवान के ललाट पर पड़कर तिलक का स्वरूप धारण करेंगी। उन्होंने बताया कि यह दृश्य करीब चार मिनट तक देखा जा सकेगा । उन्होंने बताया कि इसका सीधा प्रसारण दूरदर्शन व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

रामनवमी 27 को मनाई जाएगी

नवरात्र की अष्टमी तिथि 26 मार्च यानि गुरुवार को तथा नवमी यानि रामनवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। बताया कि इस बर नवरात्र नौ दिनी है। बताया कि दुर्गा अष्टमी पूजन के समय देवी दुर्गा के सभी नौ रूपों की पूजा की जाती है। अष्टमी का व्रत 26 मार्च को रखेंगे। बताया कि माताराणी के पूजन के लिए कलश स्थापना भी अष्टमी तिथि को सूर्यास्त के बाद रखकर पूजन किया जायेगा। नौ दिन व्रत रखने वाले भक्त 28 मार्च को सुबह 10 बजे के बाद पारण कर सकेंगे।

सीएम योगी का बड़ा फैसला

मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यूपी में रामनवमी पर दो दिन का अवकाश घोषित

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर दो दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। यह फैसला प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ा तोहफा है। अब 26 और 27 मार्च को राज्य में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा तोहफा देते हुए नवमी के अवसर पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश में अब 26 के साथ ही 27 मार्च को सार्वजनिक अवकाश होगा। मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सीएम योगी निर्णय लिया है। रामनवमी पर लगातार दो दिन का अवकाश रहेगा। चैत्र रामनवमी को विभिन्न स्थानों पर आयोजित राम मेले के चलते तीन दिनों तक लखनऊ-अयोध्या रोड पर बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। इस दौरान मालवाहक भारी वाहन, ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर आदि को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है।

डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी के मुताबिक, 27 मार्च तक डायवर्जन रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर विभाग के हेल्पलाइन नंबर 9454405155 पर भी संपर्क किया जा सकता है। आपातकालीन सेवाओं में लगे वाहनों को आवश्यकता अनुसार डायवर्जन में छूट दी जाएगी।

यह रहेगा बदलाव

- सीतापुर रोड की तरफ से आने वाली बसें/बड़े/भारी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन इन्दौराबाग किसानपथ अंडर पास (सीतापुर रोड) से किसान पथ होते हुये सुलतानपुर रोड से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जाएंगे।
- हरदोई रोड की तरफ से आने वाले भारी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन बाजपुर किसानपथ अंडरपास (हरदोई रोड) से किसान पथ होते हुये पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जाएंगे।
- आगरा एक्सप्रेस वे से आने वाले भारी वाहन खुशहालगंज किसानपथ अंडरपास से किसान पथ होते पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की तरफ से जाएंगे।
- कानपुर की तरफ से आने वाली बसें/बड़े/भरी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन जुनाबगंज मोड़, मोहनलालगंज कस्बा तिराहे से दाहिने बछरावां से हैदरगढ़ और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।

मथुरा से अयोध्या भेजा गया प्रसाद

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से रामनवमी पर भगवान श्रीराम को अर्पण करने के लिए प्रसाद अयोध्या भेजा गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के एक पदाधिकारी और संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि 11 मन (440 किलोग्राम) धनिया की पंजीरी, सवा मन (50 किलोग्राम) लड्डू तथा वस्त्र, फल आदि सामग्री एक सजे-धजे वाहन में अयोध्या भेजी गई और इस दौरान भजन-कीर्तन में संस्थान के सदस्यों एवं भक्तजन ने भाग लिया। कपिल शर्मा ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से भगवान का भोग लगाया जाएगा.

ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना' से गांव-गांव पहुंचेगी बसें

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, 2026' के तहत 12 हजार से अधिक ऐसे गांवों तक बस सेवा पहुंचाई जाएगी, जहां अब तक सार्वजनिक परिवहन का कोई साधन उपलब्ध नहीं था। यह पहल गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार से जोड़ने का व्यापक प्रयास है। यह योजना ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। बस चालक और सहायक स्टाफ की भर्ती स्थानीय स्तर पर की जाएगी।

विकास का नया मॉडलः सड़क के साथ परिवहन भी जरूरी

लखनऊ से शुरू हुई इस योजना के जरिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब विकास का अर्थ केवल सड़क निर्माण नहीं, बल्कि उस पर नियमित और भरोसेमंद परिवहन सुनिश्चित करना भी है। आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण परिवहन पर घरेलू खर्च 2011-12 में 4.2% था, जो 2022-23 में बढ़कर 7.5% हो गया है।

छोटे गांवों के लिए छोटी बसें

योजना के तहत प्रदेश की 59 हजार से अधिक ग्राम सभाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि लगभग 5 हजार ऐसे गांव, जहां बड़ी बसें नहीं पहुंच सकतीं, वहां 28 सीटों तक की छोटी बसें चलाई जाएंगी। हर ग्राम पंचायत में दिन में कम से कम दो बार बस सेवा सुनिश्चित की जाएगी। सुबह 10 बजे से संचालन शुरू होकर रात 8 बजे तक बसों की वापसी अनिवार्य होगी।

जिला स्तर पर निगरानी व्यवस्था

योजना के प्रभावी संचालन के लिए जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में समितियां बनाई जाएंगी, जो किराया निर्धारण और सेवा की निगरानी करेंगी। बसों का रात तक गांव लौटना अनिवार्य होगा, जिससे सेवा की नियमितता बनी रहे। इस पहल से करीब 1.5 करोड़ छात्रों को स्कूल और कॉलेज पहुंचने में आसानी होगी, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आने की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया पर जारी संकट के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री ने बुलाई समीक्षा बैठक

खाद आपूर्ति सुचारू रखने और जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने के दिए सख्त निर्देश

खाद की आपूर्ति पूरे देश में बराबर और बिना रुकावट हो

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को एक समीक्षा बैठक बुलाई, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच खाद की आपूर्ति मजबूत करने, कालाबाजारी रोकने और अन्य जरूरी कदमों पर जोर दिया गया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बैठक में आने वाले खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कृषि मंत्रालय ने बताया कि लक्ष्य यह है कि किसानों को समय पर खाद, बीज और अन्य जरूरी संसाधन मिल सकें।

एक 'स्पेशल सेल' गठित, जो चौबीसों घंटे काम करेगा

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह समीक्षा बैठक लेते हुए

खाद की वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बरतने की सलाह

कृषि मंत्री ने कहा कि खाद की आपूर्ति पूरे देश में बराबर और बिना रुकावट के होनी चाहिए। उन्होंने 'फार्मर आईडी' के काम को तेज करने के निर्देश दिए, ताकि वितरण प्रणाली पारदर्शी बन सके। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर समन्वय के लिए वह जल्द ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कृषि मंत्रियों से भी बैठक करेंगे। मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि खाद और बीज की कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक संकट का फायदा उठाने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

दूध और पैकेजिंग सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता पर दिया जोर

बैठक में कृषि रसायनों और बीज सुखाने के लिए जरूरी गैसों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा दूध और अन्य कृषि उत्पादों के लिए पैकेजिंग सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता पर भी जोर दिया गया। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पेट्रोलियम मंत्रालय और अन्य विभागों के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि सप्लाई में कोई बाधा न आए। कृषि क्षेत्र की लगातार निगरानी के लिए एक 'स्पेशल सेल' बनाया गया है, जो चौबीसों घंटे काम करेगा। यह सेल हर हफ्ते खाद, बीज और कीटनाशकों की उपलब्धता पर रिपोर्ट सीधे कृषि मंत्री को देगा।

संकट के समय सक्रिय भूमिका निभाएं सभी अधिकारी

कृषि मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि संकट के समय उन्हें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सरकार किसानों तक जरूरी संसाधन समय पर पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में देश में कृषि उत्पादन करीब 44 प्रतिशत बढ़ा है और कई किसानों की आय दोगुनी हुई है। केंद्र सरकार किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर रिकॉर्ड खरीद भी शामिल है।

भू-राजनीतिक हालात पर विस्तृत चर्चा की

विदेश मंत्री जयशंकर से अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी कोल्बी की मुलाकात

एशिया में भारत एक बड़ी व प्रमुख शक्ति

भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योग को समर्थन

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में अमेरिका के पॉलिसी अंडर सेक्रेटरी एलब्रिज कोल्बी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि एलब्रिज कोल्बी के साथ विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ और वैश्विक हालात पर चर्चा की गई। इससे पहले एलब्रिज कोल्बी ने अनंता सेंटर में अपने संबोधन में भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिर शक्ति संतुलन का अनिवार्य और केंद्रीय भागीदार बताया। कोल्बी ने कहा कि भारत केवल एक महत्वपूर्ण साझेदार ही नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य को आकार देने वाली एक प्रमुख शक्ति है। उन्होंने भारत की भौगोलिक स्थिति, रणनीतिक स्वायत्तता, सैन्य क्षमता और आर्थिक ताकत को इसकी प्रमुख ताकत बताया।

रक्षा सहयोग को मजबूती देंगे

एलब्रिज कोल्बी ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की जरूरत पर बल देते हुए लंबी दूरी के सटीक हथियारों, समुद्री जागरूकता, पनडुब्बी रोधी युद्ध और उन्नत तकनीक के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने का समर्थन करता है और साथ में उत्पादन और विकास के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के हित एशिया में किसी एक शक्ति के प्रभुत्व को रोकने, खुले व्यापार और राष्ट्रीय स्वायत्तता बनाए रखने में जुड़े हुए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला मजदूर का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में एक मजदूर ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी।सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूल रूप से लखीमपुर खीरी स्थित मल बेहड़ के रहने वाला विनोद गौतम (34) पिछले तीन माह से बिजनौर के सरवन नगर में किराए पर रहकर मजदूरी करता था। परिजनों का कहना है कि विनोद की पहली पत्नी 3 वर्ष पहले उसे और अपने दो बेटों किशन व विशाल को छोड़कर चली गई थी।उसने दूसरी शादी कर ली थी। करीब डेढ़ साल पहले विनोद ने लखीमपुर खीरी के धर्मपुर रेतिया की रहने वाली प्रीति से दूसरी शादी कर ली। जिससे एक बेटा कुबेर है। पहली पत्नी व प्रीति से हुए सभी बेटे विनोद के साथ रहते हैं। होली से पहले 1 मार्च को शराब पीने को लेकर विनोद की प्रीति से जमकर कहा सुनी हुई। इसके बाद 2 मार्च को प्रीति तीनों बेटों को लेकर अपने मायके चली गई थी। इसके बाद विनोद काफी परेशान रहता था।विनोद तीन दिन से लगातार शराब पी रहा था। मंगलवार देर शाम पड़ोस में रहने वाले उसके चाचा विनोद को खाने के लिए बुलाने गए तो दरवाजा भिड़ा था। जब चाचा अंबर ने धक्का देकर दरवाजा खोला तो अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। कमरे के अंदर विनोद पंखे से मफलर के सहारे लटक रहा था। अंबर ने आनन-फानन इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची बिजनौर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस का कहना है कि उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है।

जयपुरिया स्कूल में देखने को मिली कल्पना और रचनात्मकता की झलक

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। इन दिनों सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल परिसर इन दिनों कल्पना और रचनात्मकता के रंगों से सजा हुआ है। इस विद्यालय की वार्षिक कला प्रदर्शनी मास्करेड ऑफ आर्ट को इस समय आम जनता के लिए खोल दिया गया है।इस प्रदर्शनी में बच्चों के अभिभावकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। इसमें बारीकी से बनाए गए कथकली मास्क, जनजातीय कला से प्रेरित कृतियाँ, और आधुनिक पाश्चात्य डिजाइन शामिल हैं। दर्शक वारली कला की सादगी, प्राकृतिक दृश्यों की शांति, अमूर्त चित्रों की गहराई और भावनात्मक पोर्ट्रेट्स की अभिव्यक्ति का भी आनंद ले सकते हैं। इस प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण एक विशाल भित्ति चित्र (म्यूरल) है। इसमें सिरेमिक और पेंटिंग का अनोखा मेल देखने को मिलता है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम कोचित्ती ने कहा कि हम मानते हैं कि शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। यह प्रदर्शनी हमारे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। यहाँ की हर कलाकृति प्रतिभा के साथ-साथ अभिव्यक्ति, साहस और अलग सोच को भी दर्शाती है। विद्यार्थियों को भी स्वयं के कार्य को लोगों के सामने प्रस्तुत करने पर गर्व महसूस हो रहा है। विद्यार्थी भी मासूस कर रहे हैं कि ह्लोग उनकी बनाई हुई चीजों को देखते और सराहना करते हैं। यही बात उन्हें बहुत अच्छी लगती है। मास्करेड ऑफ आर्ट प्रदर्शनी 27 मार्च की दोपहर 1:00 बजे तक खुली रहेगी।

चोरों का धावा: पूर्व प्रधान समेत चार घरों में चोरी, लाखों का सामान पार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने पूर्व प्रधान समेत चार घरों को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये की नगदी और लाखों रुपये के जेवरात व सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटनाओं से गांव में दहशत का माहौल है। जमखनवा गांव निवासी सुनील पांडेय ने बताया कि रात में परिवार के सभी लोग सो रहे थे। इसी दौरान चोर दीवार फांदकर घर के अंदर घुस आए और कमरे में रखा बक्सा उठा ले गए। बक्से में करीब 32 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात रखे थे, जिनकी कीमत लगभग 85 हजार रुपये बताई जा रही है। इसी रात चोरों ने गांव के पूर्व प्रधान सौरव गुप्ता के घर को भी निशाना बनाया। सौरव ने बताया कि उनका परिवार लखनऊ में रहता है, जबकि घर की देखरेख गांव के ही शुभम अवस्थी करते हैं। चोरों ने शुभम को कमरे में बंद कर दिया और अलमारी का लॉकर तोड़कर करीब 20 हजार रुपये नगद चोरी कर लिए। इसके अलावा चोर पूर्व प्रधान रमेश तिवारी के घर में भी घुस गए। उस समय उनका बेटा छत पर सो रहा था। चोर छत पर बने कमरे से दो बैग उठा ले गए, लेकिन उनमें केवल कपड़े और कागजात होने के कारण उन्हें खेत में फेंककर फरार हो गए। वहीं, रमेश रावत के घर में भी चोरों ने सेंध लगाने का प्रयास किया, लेकिन सेंध काटने की आवाज सुनकर ग्रामीण जाग गए और मौके पर पहुंच गए। इसके बाद चोर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। लगातार हुई चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

प्राथमिक विद्यालय अस्ती परिसर में शिक्षा सत्र का नवारंभ शुरू

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। क्षेत्र के गांव अस्ती के प्राथमिक विद्यालय में आंगन बाड़ी और, बाल वाटिका का नवारम्भ उत्सव मनाया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के अनुसार 2030 तक तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण किया गया। इसी के आधार पर इस आयोजन मे पूर्व प्राथमिक शिक्षा बालवाटिका से 10 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। अभिभावको की स्वीकृति के साथ ही समुदाय के साथ मिलकर विद्यालय मे कक्षा 1 में प्रवेश का नवारम्भ उत्सव मनाया गया। इसके अंतर्गत 6 वर्ष की आयु पूरी कर चुके 7 बच्चों माही, जानवी, ऋषभ, अविनाश, अहम्, वैष्णवी, का चिन्हांकन करके विद्यालय मे प्रवेश हेतु चुना गया। यह काम 1 अप्रैल 2026 को संपन्न होगा। नवारम्भ कार्यक्रम मे बच्चों के अभिभावको सहित ग्राम प्रधान सुमन देवी, इंचार्ज प्रधानाध्यापक जगत पाल, नूर जहाँ, संगीता निगम, एस एम सी अध्यक्ष गोमती प्रसाद एवं शिक्षामित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय शर्मा उपस्थित रहे।

शिविर में 241 सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण, 96 जरूरतमंदों को मिला चश्मा

पीएसआई इंडिया व एचसीएल फाउंडेशन के स्वच्छ उदय कार्यक्रम के तहत हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, 26 मार्च। नगर निगम के त्रिलोक नाथ सभागार में बुधवार को स्वच्छता कर्मियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) व एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से स्वच्छ उदय कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में 241 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण व कैंसर स्क्रीनिंग की गयी। शिविर में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, आँखों, दांतों आदि की जाँच की गयी। जांच के बाद 96 सफाई कर्मियों को चश्मे प्रदान किए गए। लक्षणों के आधार पर टीबी की जाँच के लिए सैम्पल लिए गए। त्वचा एवं अन्य रोगों के लक्षणों के आधार पर दवाएं भी प्रदान की गयीं। शिविर का उद्घाटन अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द कुमार राव, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एन. सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. के. श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर डॉ. अरविन्द कुमार राव ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की शीघ्र जाँच और उपचार की आवश्यकता पर बल दिया ताकि सफाई कर्मचारी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें। सफाई व्यवस्था बनाए रखने, पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने और हर किसी को स्वस्थ रखने में सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना भी की। उन्होंने विभिन्न हितधारकों को संगठित कर शिविर आयोजित करने में पीएसआई इंडिया की टीम के प्रयासों की सराहना की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, स्वास्थ्य विभाग उनके लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने में हरसंभव मदद को तैयार है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि लखनऊ नगर निगम पीएसआई इंडिया के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रहा है। पीएसआई इंडिया से दिनेश कुमार पाण्डेय ने एचसीएल फाउंडेशन एवं लखनऊ नगर निगम के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पीएसआई इंडिया सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार के लिए कार्य कर रही हैक उनकी सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन कर रही है। इसके साथ ही पीएसआई इंडिया प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत सफाई मित्रों को जोड़ रही है। ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और एचसीएल फाउंडेशन नगर निगम के सहयोग से लखनऊ के 26 वार्डों में स्वच्छ उदय कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके तहत मोहल्लों में साफ-सफाई, पानी का सही रखरखाव और कूड़ा पृथक्करण पर समुदाय में लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि लोग बीमारियों से सुरक्षित रहें। इसके लिए मोहल्ला स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। समुदायों में महिला आरोग्य समितियों को भी सक्रिय किया गया है।

दुबग्गा में बनेगा एल-आकार का 2 किमी लंबा फ्लाईओवर, जाम से मिलेगी राहत

321 करोड़ की लागत से मई में शुरू होगा निर्माण, 65 खंभों पर टिकेगा तीन लेन का पुल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दुबग्गा और आईआईएम रोड तिराहे पर लगने वाले भीषण जाम से निजात दिलाने के लिए यहां एल-आकार का अत्याधुनिक फ्लाईओवर बनाया जाएगा। करीब 1811.72 मीटर (लगभग दो किमी) लंबे इस फ्लाईओवर का निर्माण 321.21 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। निर्माण कार्य मई माह से शुरू होने की संभावना है। यह फ्लाईओवर 65 खंभों पर टिका होगा और तीन लेन का बनाया जाएगा, जिसकी चौड़ाई 21 मीटर रहेगी। इसकी शुरूआत अवध चौराहे से हरदोई रोड जाने वाले बाईपास से होगी। इसके बाद इसे ठाकुरगंज मेट्रो स्टेशन के पास से मोड़ते हुए काकोरी तिराहे के पास उतारा जाएगा। फ्लाईओवर की ऊंचाई लगभग आठ मीटर रखी जाएगी, ताकि नीचे से बड़े वाहन आसानी से गुजर सकें। मेट्रो परियोजना को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर के डिजाइन में बदलाव किया गया है। प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के तहत ठाकुरगंज स्टेशन से करीब 12 मीटर की दूरी रखते हुए फ्लाईओवर को मोड़ा जाएगा और इसे मेट्रो लाइन से छह मीटर नीचे बनाया जाएगा। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए हरदोई हाईवे पर रोटरी भी बनाई जाएगी। इससे यदि कोई वाहन गलत दिशा में फ्लाईओवर पर चढ़ जाता है तो वह रोटरी के जरिए सुरक्षित यू-टर्न लेकर वापस आ सकेगा। फ्लाईओवर बनने से आईआईएम रोड, सीतापुर रोड, कानपुर रोड, आगरा एक्सप्रेसवे और मलिहाबाद मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में इन मार्गों पर वाहन चालकों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद लगभग चार लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है और यात्रा समय में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

पुलिस चौकी से जनता और पुलिस के बीच बढ़ेगा भरोसा: एडीसीपी

अमन लेखनी समाचार

चौकी का उद्घाटन करते एडीसीपी, एसीपी अन्य

लखनऊ। बेहतर कानून-व्यवस्था और क्षेत्र में सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रहीमाबाद कस्बे में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के दौरान उत्तरी एडीसीपी ऋषभ रुणवाल एवं एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे ने फीता काटकर चौकी का शुभारंभ किया। इस मौके पर एडीसीपी ऋषभ रुणवाल ने कहा कि नई पुलिस चौकी के संचालन से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी और पुलिस की निगरानी व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने बताया कि रहीमाबाद क्षेत्र उन्नाव और हरदोई जनपद की सीमा से सटा होने के कारण यहां संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखना जरूरी है। चौकी के माध्यम से आने-जाने वाले वाहनों की नियमित चेकिंग की जाएगी, जिससे अपराधियों की आवाजाही पर अंकुश लगाया जा सकेगा। एसीपी सुजीत कुमार दुबे ने कहा कि पुलिस चौकी बनने से स्थानीय लोगों को त्वरित पुलिस सहायता मिलेगी और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान हो सकेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस चौकी के उद्घाटन पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने कहा कि कस्बे में पुलिस चौकी का संचालन सिर्फ अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह आम जनता और पुलिस के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु भी बनेगा। उन्होंने बताया कि चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी क्षेत्र के हर छोटे-बड़े मुद्दे पर संवेदनशीलता के साथ काम करेंगे और लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।हमारी कोशिश रहेगी कि क्षेत्र में ऐसा माहौल बने, जहां लोग खुद को सुरक्षित महसूस करें और बिना किसी भय के अपने दैनिक कार्य कर सकें

प्राकृतिक खेती की पाठशाला, किसानों को सिखाए देसी फॉर्मूले

कम लागत में ज्यादा उत्पादन का मंत्र, मृदा स्वास्थ्य सुधार पर विशेष जोर

अमन लेखनी समाचार

किसानों को जानकारी देते- एडीओ एजी

लखनऊ। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में मलिहाबाद विकासखंड के रसूलपुर गांव में बुधवार को एक अनोखी खेती पाठशाला का आयोजन किया गया, जहां किसानों को पारंपरिक और देसी तकनीकों से खेती करने के गुर सिखाए गए। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और दशपर्णी अर्क जैसे जैविक घोलों को तैयार करने की विधियां न सिर्फ बताई गईं, बल्कि उनका व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। इससे किसानों को इन तकनीकों को सीधे अपने खेतों में अपनाने की समझ मिली। सहायक विकास अधिकारी कृषि मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों की लागत घटाती है, बल्कि जमीन की उर्वरता को भी लंबे समय तक बनाए रखती है। उन्होंने कहा कि ह्रासायनिक खेती के बढ़ते दुष्प्रभावों के बीच प्राकृतिक खेती एक सशक्त विकल्प बनकर उभर रही है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं।ह्व कार्यक्रम में इस बात पर भी विस्तार से चर्चा हुई कि किस प्रकार सीमित संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के साथ टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रामपाल यादव, खंड तकनीकी प्रबंधक माधवेंद्र सिंह चौहान, तकनीकी सहायक विमल सिंह सहित सैकड़ों किसान और कृषि सखियां मौजूद रहीं।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसा कंटेनर, चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

हाईवे पर क्षतिग्रस्त खड़ा ट्रक

लखनऊ। बीती रात रहीमाबाद थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हरदोई से लखनऊ की ओर जा रहा बिस्केट से लदा कंटेनर भतोइया गांव के पास अंडरपास ओवरब्रिज पर खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया।फतेहपुर जनपद के मकदुमपुर कला निवासी कंटेनर चालक धर्मेंद्र कुमार कंटेनर लेकर हरदोई से लखनऊ आ रहे थे। इसी दौरान रहीमाबाद क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक में उसका क्लीनर हवा चेक कर रहा था। अंधेरा होने के कारण कंटेनर चालक को ट्रक नजर नहीं आया और तेज रफ्तार में वाहन सीधे ट्रक से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक के केबिन में बुरी तरह फंसे होने के कारण उसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अंततः केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला गया और गंभीर हालत में मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि देर रात करीब दो बजे ट्रक चालक सड़क किनारे वाहन खड़ा कर हवा चेक कर रहा था, तभी पीछे से आ रहा कंटेनर उसमें जा घुसा। हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि ट्रक में सवार एक व्यक्ति को हल्की चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह हाइड्रा मशीन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवा दिया गया।

राम नवमी पर राशि अनुसार करें पूजा, होगा शुभ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राम नवमी पर ग्रहों का विशेष संयोग बन रहा है, जो हर राशि के जातक के लिए उन्नति के द्वार खोल सकता है। यह दिन भगवान राम को पूरी तरह समर्पित है। इस साल राम नवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। इस दिन किए गए उपाय न केवल राम जी की कृपा दिलाते हैं, बल्कि कुंडली में सूर्य और अन्य ग्रहों के अशुभ प्रभाव को भी कम करते हैं।

राशि अनुसार करें ये उपाय: मेष राशि: मेष राशि के लोगों को राम नवमी पर राम जी को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस शुभ दिन पर राम जी को दही-चीनी चढ़ाना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर भगवान राम को लौकी का हलवा चढ़ाना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को राम नवमी पर राम जी को नारियल अर्पित करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर प्रमु राम को लड्डू चढ़ाने चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर श्रीराम को केले का भोग लगाना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को राम नवमी पर भगवान राम को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर राम जी को गाजर के हलवे का भोग लगाना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर केसर मिश्रित खीर का भोग भगवान राम को लगाना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को राम नवमी के दिन राम जी को तुलसी दल अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर राम जी को काले तिल के लड्डू चढ़ाने चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर भगवान राम को केले अर्पित करने चाहिए।

शेरावाली बुला लो मुझे भी, दर पर आने के काबिल नहीं हूं.....

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। शेरावाली बुला लो मुझे भी, दर पर आने के काबिल नहीं हूं... आदि देवी भजनों से भक्ति रस में डूबीं महिलाएं। मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा की पत्नी रेखा शर्मा द्वारा विवेक खण्ड 3, गोमतीनगर स्थित निवास स्थान पर भजन संध्या आयोजित की गई। भजन संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। आशा सिंह के तेरा चोला भी लाल तेरी चुनरी भी लाल...., पुष्पा यादव के कोठे ऊपर कोठरी, मैया का भवन बनवा दूंगी..., माला शर्मा के पकड़ लो हाथ मैया जी, नहीं तो हम डूब जायेंगे..., शेरावाली बुला लो मुझे भी, दर आने के काबिल नहीं हूं..., तुम सजती रहो, हम सजाते रहें... आदि भजनों से मां के भजनों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर रेखा शर्मा ने बताया कि पिछले कई सालों से चैत्र नवरात्रि व शारदीय नवरात्रि में भजन-कीर्तन आयोजित किया जाता है जिसमें सभी महिलाएं बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता करती हैं। इस अवसर पर रेखा शर्मा, संगीता शर्मा, गीता शर्मा, अनन्या शर्मा, कल्पना भटनागर, प्रभा उपाध्याय, शशिभा सक्सेना, आशा सिंह, नीना श्रीवास्तव, पुष्पा यादव, अंशू गुप्ता, अर्चना मिश्रा, अर्चना उपाध्याय, शैली अवस्थी, मेघा मुद्गल, नीलम शर्मा, सीमा सिन्हा, शालिनी श्रीवास्तव, नीलम मिश्रा, रेनू तिवारी, बीना वर्मा, रानी सिंह बघेल, माला शर्मा सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

संक्षेप

मां कालरात्रि की कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में की गई पूजा अर्चना

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवरात्रि के सातवें दिन दुर्गा के स्वरूप मां कालरात्रि की नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिरों में मां के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गांधी नगर स्थित काली मंदिर में मां कालरात्रि का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी ने विधि-विधान से देवी का श्रृंगार किया, जिसके बाद देवी भक्तों ने आदि शक्ति मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। दर्शनार्थियों के लिए मां के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था।दिन भर मंदिरों और घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ चलता रहा। मंदिरों में बज रहे मां के भक्ति गीतों और भजनों से पूरा नगर भक्तिमय बना रहा। भक्तों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चना कर मां से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने की प्रार्थना की। दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडे ने बताया कि मां कात्यायनी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से ऐच्छिक मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भक्तों ने उपवास रखकर और दुर्गा सप्तशती का पाठ करके मां को प्रसन्न किया।नगर के अन्य प्रमुख देवी मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की गई। इनमें कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, महेश मार्ग स्थित सिद्धिधात्री मंदिर, डाकतार कॉलोनी स्थित सोमा गौरी मंदिर, बिन्दानगर स्थित दुर्गा मंदिर, बालूघाट स्थित गायत्री शक्तिपीठ, पोनीरोड झंडे चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर, गंगा विशुनघाट दुर्गा मंदिर और शंकरपुर काली मंदिर शामिल हैं।

गैस एजेंसी संचालक पर उपभोक्ताओं ने की कार्यवाही की मांग

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। गैस लेने आए तमाम उपभोक्ताओं ने एजेंसी संचालक पर कार्यवाही की मांग को लेकर राजमार्ग जाम कर दिया सूचना के बाद पहुंचे नायब तहसीलदार और पुलिस फोर्स ने लोगों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया । कस्बा स्थित भारत गैस एजेंसी पर बुधवार की सुबह 8 बजे ताला बंद होने पर गैस लेने आये सैकड़ों ग्रामीणों ने पुरवा - दही मार्ग पर जाम लगा दियाजहा आधे घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा ।जाम की सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स के साथ नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे ।उन्होंने लोगो को समझाने का प्रयास किया ।लेकिन सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता एजेंसी संचालक पर आरोप लगा कार्रवाई की मांग करने लगे जिसके बाद ।नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी ने गुरुवार को गैस का लोड आने पर सभी को गैस मिलने की बात कही और आक्रोशित भीड़ को समझा बुझाकर शांत कराया जिसके बाद जाम खुल सका ।इस दौरान लगभग आधे घंटे मार्ग जाम रहा। एसडीएम प्रमेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया बताया कि गैस न मिलने से लोग आक्रोशित हो गए थे ।जिन्हें समझा बुझाकर शांत करा दिया गया था। फिलहाल गैस की कोई समस्या नहीं है अगर कोई गैस की कालाबाजारी करते पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई कर मुकदमा लिखाया जाएगा ।

डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के उद्यमियों की समस्याओं और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

उद्यमियों ने बिजली, पानी, सड़क, अतिक्रमण, निवेश मित्र पोर्टल के लंबित प्रकरण, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण से संबंधित कई समस्याएं उठाईं।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण पर जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि उद्योग बंधुओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान, जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को बंथर आजाद मार्ग पर अंडरपास निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर लखनऊ स्थित एनएचएआई को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने दही चौकी, नवाबगंज और त्रिभुवन खेड़ा क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट सुधार कार्य के लिए शासन से स्वीकृत 130 करोड़ रुपये की परियोजना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का आश्वासन भी दिया।जिलाधिकारी ने इब्राहिम एस्टेट और नेहरू बाग औद्योगिक क्षेत्र में सड़क, नाला, स्ट्रीट लाइट और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए उपायुक्त उद्योग और केडीए सचिव को संयुक्त सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केडीए को पत्र भेजकर आवश्यक कार्यवाही कराई जाएगी।

इसके अतिरिक्त, औद्योगिक क्षेत्र दही चौकी साइट-2 की सड़क नंबर पांच में जल निकासी व्यवस्था सुधारने और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित करने हेतु प्रस्ताव मुख्यालय भेजने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में मेसर्स सेफी बायो फील्ड एवं सेमडे इंफ्राटेक लिमिटेड द्वारा यूपीसीडा साइट नंबर-1 से सिमडे सिटी तक मार्ग निर्माण, मगरवारा स्थित धर्म कांटा के सामने क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत, औद्योगिक क्षेत्र में नई सड़क निर्माणमिनी सचिवालय चांदपुर तक सड़क चौड़ीकरण तथा एचपी गैस प्लांट के बाहर गैस टैंकर खड़े होने से उत्पन्न यातायात समस्या जैसे मुद्दों पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भीषण सड़क हादसा: आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर श्रद्धालुओं से भरी टेंपो ट्रेवलर पलटी, 10 घायल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। हसनगंज थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 281 के पास श्रद्धालुओं से भरी एक टेंपो ट्रेवलर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में 10 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से 6 की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ड्राइवर को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है।

अज्ञात वाहन से टकराकर पलटी बस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिनी बस (टेंपो ट्रेवलर) में करीब 25 यात्री सवार थे। बुधवार तड़के जैसे ही वाहन औरास क्षेत्र में पहुँचा, चालक को नींद की झपकी आ गई। इसके चलते तेज रफ्तार बस आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन से जा टकराई और अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

प्रशासन ने चलाया राहत अभियान

सूचना मिलते ही यूपीडा (UPEIDA) की टीम, पुलिस और एटलेस पेट्रोलिंग दल तत्काल मौके पर पहुँचा। राहत कार्य शुरू करते हुए सभी घायलों को बस से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) औरास पहुँचाया गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर बाधित हुए यातायात को क्षतिग्रस्त वाहन हटाकर सुचारू कराया गया। बस को क्रेन की मदद से 290 टोल प्लाजा पर खड़ा कराया गया है।

घायलों की सूची:

हादसे में गोपाल (60), माली (50), प्रांजलि (45), धनपत (40), नीलम (60), विश्वास राव (75), मिलताई (60), किशन (44), लव कुमार (35) और ज्योति (45) घायल हुए हैं। इनमें से लव कुमार, मूलाताई, विश्वास राव, धनपत और माली की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें उन्नाव जिला अस्पताल भेजा गया है।

महाराष्ट्र से अयोध्या की ओर था जत्था

बताया जा रहा है कि सभी श्रद्धालु महाराष्ट्र के अमरावती जिले से आगरा होते हुए अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए जा रहे थे। गनीमत रही कि हादसे में अब तक किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली पलटी मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। ट्रैक्टर ट्राली पर बैठकर ईटे उतारने जा रहे हैं मजदूर की ट्रॉली पलटने के दौरान ट्राली के नीचे दबने से दर्दनाक मौत हो गई जिसे आनंन फानन में सी एच सी लाये जहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया ।मौरावां क्षेत्र के गांव पांडेयपुर जेरा निवासी अयोध्या का 22 वर्षीय बेटा पंकज बुधवार सुबह अपने भाई फूलचंद्र के साथ ट्रैक्टर ट्राली से इंटा उतारने देवी जगदीशपुर गांव गया था ।जहां से वापस घर आ रहा था ।तभी बछौरा गांव के पास अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया ।जिससे ट्रैक्टर में बैठा पंकज ट्राली के नीचे गिरकर दब गया ।ग्रामीणों की मदद से उसे एंबुलेंस से पुरवा सीएचसी लाया गया ।जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया ।परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव घर लेकर चले गए ।पंकज की मौत से पिता अयोध्या, मां

शिवकुमारी, भाई फूलचंद्र, वेदप्रकाश बहन शशि बेहाल रहे ।कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि जानकारी मिली है तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बीते मंगलवार की देर शाम बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर सी बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मौत थी इस घटना में बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद तीनो के शव पुलिस ने परिजनों को सौंप दिए।

ज्ञात हो हरदोई जिले के थाना कासिम पुर के ग्राम अटिया निवासी राजू राठौर के चाचा रामजीवन की मौत हो गई थी जिससे अंतिम संस्कार बांगरमऊ क्षेत्र के नानामऊ गंगा तट पर हुआ था जहां से लौटते समय राजू राठौर 60 वर्ष पुत्र राम भजन पड़ोसी गांव सिद्दीक पुर निवासी रामबालक 50 वर्ष पुत्र शिवराज और ग्राम गढ़ी निवासी पवन 40 वर्ष पुत्र श्रीराम के साथ बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तभी रास्ते में बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े दस बजे मार्ग दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई । पुलिस द्वारा तीनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिए गए थे बुधवार की सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद तीनो के शव परिजनों को सौंप दिए गए ।जिन्हें लेकर परिजन घरों को चले गए ।किंतु यह हृदय विदारक यह घटना लोगो में चर्चा का विषय बनी रही।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बाबा ढाबा के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।मृतक की पहचान सफीपुर थाना क्षेत्र के मऊ मंसूरपुर निवासी राजू तिवारी (लगभग 50 वर्ष) के रूप में हुई है। राजू तिवारी किसी काम से अपनी मोटरसाइकिल पर निकले थे। सफीपुर क्षेत्र में बाबा ढाबा के मुख्य मार्ग के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजू तिवारी सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सड़क पर घायल पड़े राजू तिवारी को देखकर आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने तत्काल सफीपुर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी ।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राजू तिवारी को सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

लाइव मौत का जाल, कभी भी गिर सकते हैं जर्जर पोल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम करौंदी में विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। गांव के मुख्य रास्तों और रिहाइशी इलाकों में लगे बिजली के पोल पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। हालात इतने खराब हैं कि कंक्रीट पूरी तरह झड़ चुका है और अंदर की लोहे की छड़ें साफ दिखाई दे रही हैं।

खतरनाक स्थिति में हैं पोल

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा साझा की गई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि बिजली के खंभे बीच से फट चुके हैं। कई पोल झुक गए हैं, जो केवल ऊपर से गुजर रहे तारों के खिंचाव के सहारे टिके हुए हैं। हवा चलने या मामूली बारिश होने पर इन खंभों के गिरने का खतरा बना रहता है।

हादसे को न्योता देता विभाग

ग्रामीणों का कहना है कि इन खंभों के नीचे से रोज सैकड़ों लोग गुजरते हैं। पास में ही रिहाइशी मकान और दुकानें हैं। यदि कोई खंभा गिरता है, तो जान-माल का बड़ा नुकसान होना तय है। शिकायत के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी मौन साधे हुए हैं।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इन जर्जर खंभों को तत्काल बदलकर नए पोल लगाए जाएं, ताकि किसी भी अनहोनी को टाला जा सके ।ये खंभे कभी भी गिर सकते हैं। लोहे की छड़ें बाहर आने से करंट उतरने का भी डर है। क्या विभाग किसी की जान जाने के बाद जागेगा ?₹ –सर्वेश पाल, समाजिक कार्यकर्ता रामजीवन कनौजिया उर्फ छोटक्के, किसान नेता रोहित कुमार कनौजिया अजीत सिंह शर्मा सहित स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय में नवराम्भ की शुरूवात

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। विकासखंड के उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय में बुधवार को नवारम्भ की शुरूवात करते हुए प्रधान शिक्षिका वंदना दीक्षित ने कहा इस एनईपी के तहत पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का उद्देश्य तीन से चार आयु वर्ष के बच्चों को बालवाटिका में नामांकित कर अनौपचारिक शिक्षा से जोड़ना तथा छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों को कक्षा-एक में प्रवेश के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम की सुपरवाइजर मंजूलता ने बताया नवारम्भ का आयोजन नए सत्र या बालवाटिका में प्रवेश लेने वाले बच्चों के स्वागत के लिए किया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को विशेष महसूस कराना और उन्हें पढ़ाई के प्रति उत्साहित करना है। इसके अतिरिक्त, आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण, टीकाकरण और शिक्षा से संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उनके अभिवावकों को प्रदान की गई। कार्यक्रम दौरान नवप्रवेश लेने वाले बच्चो को किताबे,पेन ,पेंसिल,जमेक्ट्री बॉक्स पानी की बोतल, चॉकलेट आदि दी गयी। इस मौके पर अरुणेंद्र प्रताप सिंह, मनीषा कुशवाहा ,श्याम बहादुर सिंह,शबीना बानो, रीता सिंह ,रामा देवी के साथ अन्य अभिवावक मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत बालिकाओं व महिलाओं को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 के अनुसार आज दिनांक 25/03/2026 को मिशन शक्ति टीम/एंटी रोमियो टीम द्वारा कस्बा सफीपुर मे बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक किया गया महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए बालिकाओं/महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090,112,1930,1098,181, 1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई एवं साइबर क्राइम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई ।तथा उनसे उनकी समस्या के बारे में पूछा गया ।

उत्कृष्ट छात्र छात्राओं को एसडीएम ने किया पुरस्कृत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। शैक्षणिक उन्नयन संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव समारोह सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें उपजिलाधिकारी ने उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। साथ ही बच्चों द्वारा बनाई गए विज्ञान माडल, मीना मंच व हस्तनिर्मित उपकरणों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। विकास खण्ड हिलौली के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवानीगंज कंपोजिट में बुधवार को वार्षिकोत्सव व शैक्षणिक उन्नयन संगोष्ठी में छात्र-छात्राओं ने अद्भुत प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी पुरवा प्रमेश श्रीवास्तव व विशिष्ट अतिथि नायब तहसीलदार पुरवा नीरज चतुर्वेदी ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्रों ने सरस्वती वंदना एवं गणेश वंदना से लेकर बालिकाओं व महिलाओं की आत्मरक्षा, नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा झांकी, बालिका शिक्षा, हम वक्त बदल देंगे, आरंभ है प्रचण्ड जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह की खूब वाहवाही लूटी। आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों अनुराग, प्रतिमा, जयप्रकाश, महेक, हर्षित तथा इंस्पायर एवार्ड के छात्र अविरल व श्रुतलेख में जनपद में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र रुद्र को एसडीएम व नायब तहसीलदार ने प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। इसके अलावा प्रत्येक कक्षा के सर्वश्रेष्ठ तीन-तीन छात्रों व एलबीडी में भूमिका निभाने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। विद्यालय परिवार ने आए हुए सभी गणमान्यों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा के द्वारा ही स्वयं व देश का विकास किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप सभी बच्चे अपने शिक्षकों के निदेर्शों पर अमल करें। उन्होंने विद्यालय परिवार की सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के तहसील प्रभारी व गणित शिवम चौरसिया ने किया। प्रधान शिक्षक कमलेश कुमार ने सभी का आभार जताया। इस दौरान एआरपी विनोद कुमार, सरल कुमार, प्रदीप मिश्रा, हर्षेन्द्र सिंह सेंगर, हरीराम यादव, एडवोकेट रत्नम चौरसिया, पथिक पाण्डेय, ऊषा यादव, वंदना शर्मा, पल्लवी मिश्रा, सतीश कुमार, प्रदीप कुमार, सुदीप मिश्रा, रचना दीक्षित, माया देवी, ममता, राजश्री, सलमा अर्चना, संगीता, पुनीत गुप्ता समेत कई अभिभावक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

युवक की उन्नाव में संदिग्ध हालत में मौत

परिजनों ने शराब में जहर मिलाकर पिलाने का आरोप लगाया, बाइक मैकेनिक था मृतक

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , एक युवक की उन्नाव में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय अजयपाल के रूप में हुई है, जो पेशे से बाइक मैकेनिक थे। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अजयपाल को शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अजयपाल पुवायां थाना क्षेत्र के कसभरा तकिया गांव के निवासी थे। उनकी पत्नी धनेश्वरी का तीन साल पहले निधन हो गया था और उनके तीन बच्चे हैं। बच्चों के पालन-पोषण के लिए अजयपाल दो दिन पहले दूसरे गांव के एक व्यक्ति के साथ काम की तलाश में उन्नाव गए थे। जिस दिन वे उन्नाव पहुंचे, उसी रात परिवार को सूचना मिली कि अजयपाल बेहोशी की हालत में एक पुल के नीचे पड़े हैं। इसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने अजयपाल को एंबुलेंस से शाहजहांपुर स्थित उनके घर भेज दिया। परिजन उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि अजयपाल शराब पीते थे, लेकिन उनकी मौत शराब पीने से नहीं हो सकती। उनका आरोप है कि उन्हें शराब में कुछ जहरीला पदार्थ मिलाकर दिया गया था। परिजनों ने यह भी बताया कि जिस व्यक्ति के साथ अजयपाल उन्नाव गए थे, उससे संपर्क करने पर वह गुमराह कर रहा है। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी इलाके में छापेमारी कर अवैध मिट्टी खनन में इस्तेमाल हो रहे भारी वाहनों को जब्त किया गया। यह कार्रवाई ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद की गई।

खनन अधिकारी, एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी और कोतवाली पुलिस की एक संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। छापेमारी के दौरान प्रशासन ने तीन पोकलैंड मशीनें और दो डंपर जब्त किए। बताया गया है कि इन मशीनों का उपयोग बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन के लिए किया जा रहा था ।प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस अवैध खनन का संचालन कथित खनन माफिया रवि सिंह द्वारा किया जा रहा था। रवि सिंह पर लंबे समय से इस अवैध कारोबार में संलिप्त होने का आरोप है। आरोप है कि वह अपने बेटे के साथ मिलकर अवैध खनन का नेटवर्क चला रहा था और किसानों की जमीनों से बिना अनुमति मिट्टी निकाल रहा था।

ग्रामीणों ने प्रशासन को अपनी शिकायत में बताया था कि खनन माफिया विरोध करने वालों को धमकाता था। उनके अनुसार, कई किसानों को डराकर उनकी जमीनों पर जबरन खनन कराया गया। हाल ही में खनन माफिया द्वारा ग्रामीणों को धमकाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआसूत्रों के मुताबिक, संबंधित फर्म पर जिला प्रशासन पहले भी कार्रवाई कर चुका है और उसे ब्लैकलिस्ट भी किया गया था। इसके बावजूद अवैध खनन का कार्य खुलेआम जारी था। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस के कब्जे में दे दिया गया है ।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजस्व क्षति का आकलन कर जुमार्ना भी लगाया जाएगा। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अवैध खनन की सूचना दें।

सम्पादकीय

एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं

तकनीक का हर नया दौर अपने साथ संभावनाओं का उजाला और आशंकाओं की छाया दोनों लेकर आता है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां उससे हमारी उम्मीदें भी बहुत बड़ी हैं और सावधानियां भी उतनी ही जरूरी। हाल ही में जस्टिस सूर्यकांत ने जो बात कही, वह सिर्फ न्यायपालिका ही नहीं, पूरे समाज के लिए एक दिशा-सूचक सिद्धांत है यानी एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं। बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय पर सीजेआई ने स्पष्ट किया कि एआई को न्यायिक प्रणाली में इस तरह शामिल किया जाना चाहिए, जिससे वह व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसकी मूल आत्मा को कमजोर कर दे। यह कथन केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि भविष्य की न्याय व्यवस्था का खाका भी है। आज अदालतों में लंबित मामलों का अंबार है। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, दस्तावेजों का भारी बोझ और जटिल प्रक्रियाएं, ये सब न्याय की गति को धीमा कर देते हैं। ऐसे में एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर डेटा संभालने, पैटर्न पहचानने और प्रक्रियागत देरी को कम करने में बेहद उपयोगी हो सकता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या एआई को फैसले सुनाने का अधिकार मिलना चाहिए? यहीं पर सीजेआई की बात सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। न्याय केवल तथ्यों का गणित नहीं है, यह मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और परिस्थितियों की गहराई से जुड़ा हुआ है। एक जज अपने अनुभव, विवेक और तर्कशक्ति के आधार पर निर्णय लेता है। एआई, चाहे कितना भी उन्नत क्यों न हो, इन मानवीय गुणों की बराबरी नहीं कर सकता। एआई के निर्णय पूरी तरह उसके प्रशिक्षण डेटा पर आधारित होते हैं। यदि उस डेटा में कोई पक्षपात या कमी है तो उसका असर फैसलों पर भी पड़ सकता है। इससे न्याय की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि एआई को केवल एक सहायक उपकरण के रूप में सीमित रखना ही बुद्धिमानी है। इसके अलावा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पारदर्शिता भी दांव पर लग सकती है। यदि फैसले एआई पर निर्भर होने लगें तो जवाबदेही किसकी होगी। मशीन की या उसे बनाने वाले प्रोग्रामर की? यह एक जटिल नैतिक और कानूनी प्रश्न है, जिसका अभी स्पष्ट उत्तर नहीं है। इसलिए जरूरी है कि अंतिम निर्णय का अधिकार हमेशा इंसानों के पास ही रहे। दरअसल, एआई का सही उपयोग वहीं है, जहां वह इंसानी क्षमता को बढ़ाए, न कि उसे प्रतिस्थापित करे। जैसे एक अच्छा सहायक अपने मालिक के काम को आसान बनाता है, वैसे ही एआई को भी न्यायाधीशों और वकीलों के लिए एक सहायक की भूमिका निभानी चाहिए। दिशा तय करने का अधिकार हमेशा इंसानी बुद्धि और विवेक के पास ही रहना चाहिए। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है, तब यह संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। तकनीक को अपनाना समय की मांग है, लेकिन आंख मूंदकर उस पर निर्भर हो जाना खतरनाक हो सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि न्याय, अंततः इंसानों के लिए और इंसानों द्वारा ही किया जाने वाला कार्य है। यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई एक शक्तिशाली साधन है, लेकिन उसकी शक्ति का सही उपयोग ही उसे वरदान या अभिशाप बनाता है। जस्टिस सूर्यकांत का यह संदेश हमें याद दिलाता है कि तकनीक को अपने नियंत्रण में रखना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

दृष्टिकोण

अखिलेश आर्येन्दु

पश्चिम एशिया संघर्ष से बढ़ती दुश्वारियां

जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होता जा रहा है, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश देशों में तमाम तरह की समस्याएं और संकट बढ़ता जा रहा है। इसका असर आर्थिक क्षेत्र में पड़ ही रहा है, साथ ही होटल, पर्यटन उद्योग, चिकित्सा पर्यटन, पर्यावरण, जहाजरानी, एयरलाइंस (उड़ानों), ऊर्जा सुरक्षा, धर्मशाला पर्यटन, गैस संकट, उद्योग धंधों और शेयर बाजार पर गहराई से पड़ा है। अभी कहना मुश्किल है कि कब तक यह संघर्ष चलेगा और कितनी गंभीर समस्याएं और बढ़ेंगी। हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं।

संघर्ष के 20 दिन गुजर गए हैं। इन बीते दिनों में पश्चिम एशिया के देशों के संघर्ष के दौरान मिसाइलों, ड्रोन, बमों और दूसरे हथियारों के इस्तेमाल से सबसे ज्यादा विनाश हुआ है तो वह है पर्यावरण का। संघर्ष से महज वायु प्रदूषित नहीं हुई है बल्कि जल, भूमि और पारिस्थितिक तंत्र की अपूरणीय क्षति हुई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संघर्ष की वजह से भारी तादाद में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है जिससे 33.2 से ज्यादा मिलियन मीट्रिक टन कार्बनडाइआक्साइड के बराबर जहरीली गैसों का उत्सर्जन हुआ है, जो जार्डन जैसे देश के कुल वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। वहीं पर तेल रिफाइनरियों और गैस प्लांटों पर हमले से काली बारिश जैसे मंजर दिखाई देने लगे हैं। इससे इजराइल, ईरान, कुवैत, अरब अमीरात जैसे देशों में ही वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा हुई है, बल्कि पश्चिम एशिया के तमाम देशों तक इसका गंभीर असर दिखाई देने लगा है। बेतहाशा बमबारी की वजह से तमाम शहरों में मलबों का अंबार लग गया है और खतरनाक रसायन मिट्टी और भूजल में मिल रहे हैं। इससे समुद्र, नदी, पाताल सभी जगह का पानी जहरीला होता जा रहा है। तमाम इलाकों में पीने वाले पानी की ही किल्लत पैदा नहीं हुई है, बल्कि सिंचाई व घरेलू इस्तेमाल में आने वाले पानी की किल्लत हो गई है। बमबारी और मिसाइलों से तहस-नहस हुए इलाकों का डरावना मंजर देखकर युद्ध की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। समाचार एजेंसियों के मुताबिक मलबा इतना ज्यादा है कि युद्ध रुकने के बाद भी ऐसे इलाकों में रहना मुमकिन नहीं होगा, क्योंकि बमों से निकले जहरीले रसायनों और गैसों से महीनों तक वातावरण पूरी तरह जहरीला बना रहेगा। बहुत बड़ी तादाद में होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल के जहाज तैर ही नहीं रहे हैं, बल्कि समुद्र में बहुत बड़ी तादाद में तेल फैल रहा है। इससे समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। इस नुकसान की भरपाई कर पाना नामुमकिन बताया जा रहा है। जाहिर तौर पर पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहे खाड़ी क्षेत्र के देशों के लिए पानी की बढ़ती किल्लत से जल संकट बढ़ रहा है, जिससे हालात और भी ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। जितनी समस्याएं, संकट और दुश्वारियां बढ़ रही हैं, वे बढ़ते संघर्ष का नतीजा है। इसलिए युद्ध रुकवाना सबसे जरूरी है। संघर्ष रुकवाने की जितनी कोशिशें अभी तक हुई हैं, वे नाकाम साबित हुई है। इसका असर लोगों में

दहशत, पलायन और भुखमरी के रूप में सामने आया है।

जानकारों के मुताबिक संघर्ष की वजह से 2026 में मध्य-पूर्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की तादाद में 11 से 27 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है। इससे पर्यटन क्षेत्र में 34 से 56 मिलियन डालर का नुकसान होने की उम्मीद है। भारत सहित कई देशों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आए दिन रद्द हो रही हैं। इससे पर्यटकों की तादाद में भारी कमी देखी जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास संघर्ष की वजह से पर्यटकों की आवाजाही पर प्रतिकूल असर देखा जा रहा है। होटलों, धर्मशालाओं की बुकिंग में भारी कमी आई है। वहीं, उद्योग धंधों पर भी असर पड़ा है। पिछले 20 दिनों से जारी संघर्ष का असर भारत सहित एशिया के देशों पर पड़ा है। उद्योग जगत पर इसका सीधा असर देखा जा रहा है। गैस संकट की वजह से भारत में उन उद्योगों पर गहरा असर दिखाई दे रहा है, जहां गैस की खपत ज्यादा होती थी। सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय उद्योग धंधों में 30 प्रतिशत से अधिक की उत्पादन में कमी आई है। बड़ी विनिर्माण कंपनियों से लेकर सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों तक तमाम कंपनियां उत्पादन के मामले में बहुत अधिक संघर्ष कर रही हैं। कच्चा माल और पर्याप्त ईंधन न मिलने की वजह से भी उत्पादन में भारी गिरावट आई है। स्टील, पेंट, आयरन उत्पादन, बड़े उत्पादन क्षेत्रों में कार्यरत रसोई, मशीन निर्माण सहित तमाम क्षेत्रों पर गैस की कमी की बात कही जा रही है। भारतीय होटलों, ढाबों, रेस्तरांओं और कैंटीनों में भी गैस की समस्या की बात कही जा रही है। भारत में यह बड़े स्तर पर नहीं है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यदि संघर्ष का दौर आगे बढ़ता जाएगा तो समस्या आनी तय है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बमबारी और मिसाइलों के हमलों से निकल रही जहरीली गैसें उन देशों तक पहुंच सकती हैं जो देश इस संघर्ष में किसी भी तरह शामिल नहीं हैं। यही नहीं, संघर्ष पर नजदीक से नजर रखने वाले पर्यटक और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम के तमाम मुल्कों में युद्ध में विस्थापित लोगों के पुनर्वास की समस्या विकराल हो सकती है, जिससे देशों के सीमा से सटे देश में सुरक्षा की बहुत बड़ी समस्या पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है पिछले दो सालों में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन से हजारों की तादाद में लोग को अपना पुश्तैनी निवास छोड़कर उन जगहों पर शरण लेनी पड़ी, जहां उनके योग-क्षेम की व्यवस्था बहुत कम थी। युद्ध विस्थापकों की समस्या दुनिया की तमाम विस्थापित समस्याओं में बहुत गंभीर देखी गई है। ईरान और दूसरे देशों से विस्थापित लोग उस तरफ रुख कर रहे हैं, जहां वे अपने लिए सुरक्षित समझ रहे हैं। इनकी मदद की अपील दुनिया के तमाम मानवाधिकार पर कार्य करने वाली संस्थाएं कर रही हैं, लेकिन अभी वैसी मदद इन्हें नहीं मिल रही है, जिसकी इन्हें जरूरत है। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुनिया में हाहाकार मचा था। जापान सहित दुनिया के तमाम देशों के हालात बेहद नाजुक हो गए थे। इस संघर्ष को लेकर भी कहा जाने लगा है कि यदि समझदारी और संवाद के जरिए युद्ध खत्म करने पर रजामंदी नहीं हुई तो, एक बार फिर दुनिया एक नए विश्व युद्ध के दायरे में आ सकती है।

भारत अपनी कूटनीति और रणनीति के जरिए पूरी कोशिश में है कि जितनी जल्द हो सके, संघर्ष विराम के लिए तीनों देश रजामंदी कर लें। भारत कहता रहा है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। इससे सभी देशों में संकट और समस्याएं बढ़ेंगी। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

शहीदी दिवस

डॉ. घनश्याम बादल

स्वाधीनता की दहाड़ और इंकलाब की अनुगूंज

आज है 23 मार्च। एक ऐसी शख्सियत को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने का दिन। 28 सितंबर 1907 को वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लायलपुर में जन्मे, अपनी जवानी को मातृभूमि पर चढ़ाने वाले उस जोशीले नौजवान का नाम था भगत सिंह, जिसे उसकी दादी 'भागोंवाला' कहा करती थी। शायद उसका जन्म ही आजादी दिलवाने के लिए हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विराट आख्यान में भगत सिंह का नाम केवल एक क्रांतिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक विचार, एक चेतना और एक सतत प्रतिरोध की परंपरा रूप में दर्ज है। अंग्रेजी सत्ता के मन में उनका कितना भय था, यह इसी से पता चलता है कि उनकी फांसी की तारीख 24 मार्च तय हुई थी, लेकिन 23 मार्च को ही सुबह 7:30 बजे उन्हें राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी पर चढ़ा दिया गया था। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, तब वे महज 23 वर्ष के थे, किंतु उनकी वैचारिक परिपक्वता, वैचारिक निर्भीकता और राजनीतिक स्पष्टता ने उन्हें अपने समय से कहीं आगे खड़ा कर दिया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल एक औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उस असहज प्रश्न से सामना करना भी है कि क्या हमने उस भारत का निर्माण किया, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। भगत सिंह का जीवन एक साधारण देशभक्त युवक से एक प्रखर वैचारिक

क्रांतिकारी बनने की यात्रा है। जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर जो अमिट छाप छोड़ी, उसने उनके भीतर अंग्रेजी सत्ता के प्रति गहरा आक्रोश पैदा किया। किशोर अवस्था में ही उन्होंने खेतों में खून से सनी मिट्टी को बोतल में भरकर अपने साथ रखा। यह प्रतीक था उस प्रतिज्ञा का, जो उन्होंने अन्याय के विरुद्ध ली थी। आगे चलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़कर उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों को संगठित रूप दिया। कार्ल मार्क्स, लेनिन और अन्य समाजवादी चिंतकों के साहित्य ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। उनकी प्रसिद्ध उक्ति "क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है" इस बात का प्रमाण है कि वे विचारों की शक्ति को सर्वोपरि मानते थे। उनकी शायरी और लेखन में भी यह वैचारिक ताप स्पष्ट दिखाई देता है-चाहे वह "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है" जैसी पंक्तियों के प्रति उनका अनुराग हो या जेल में लिखे गए उनके लेख, जिनमें एक स्वतंत्र, समतामूलक और वैज्ञानिक दृष्टि वाले समाज की परिकल्पना झलकती है। सांडर्स हत्याकांड और केंद्रीय विधानसभा बम कांड में उनकी भूमिका ने ब्रिटिश सरकार को उन्हें एक ख़तरनाक क्रांतिकारी के रूप में स्थापित करने का अवसर दिया। किंतु यह भी उतना ही सच है कि असेंबली में फेंका गया बम जान लेने के लिए नहीं, बल्कि "बहरों को सुनाने" के लिए था। उन्होंने स्वयं गिरफ्तारी दी ताकि अदालत को अपने विचारों के प्रचार का मंच बना सकें। यह एक असाधारण राजनीतिक रणनीति थी, जिसने उन्हें एक सच्चा सरदार और जननायक बना दिया। जेल में उनके संस्मरण और लेखन उनकी वैचारिक ऊंचाई को और स्पष्ट करते हैं। "मैं नास्तिक क्यों हूं" जैसे लेख में उन्होंने धार्मिक आस्थाओं पर प्रश्न उठाते हुए तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समर्थन किया। उनके द्वारा की गई लंबी भूख हड़ताल, जिसमें उन्होंने भारतीय कैदियों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई, उनके मानवीय और नैतिक पक्ष को उजागर करती है। आज के संदर्भ में भगत सिंह की प्रासंगिकता केवल एक क्रांतिकारी प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि एक वैचारिक मार्गदर्शक के रूप में अधिक महत्वपूर्ण है। उनकी शहादत हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्रभक्ति केवल भावनात्मक आवेग नहीं, बल्कि एक विवेकपूर्ण और जिम्मेदार प्रतिबद्धता है। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अध्ययन जारी रखा, विचार किया और अपने समय की राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण किया। यह बौद्धिक ईमानदारी ही उन्हें अन्य क्रांतिकारियों से अलग करती है।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि।

सेवा का समर्पण भाव

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैंने समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैंने सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। बिना सोचे समझे पहले ही किसी पर अपनी नाराजगी जाहिर करना ठीक नहीं।

अंतर्मन

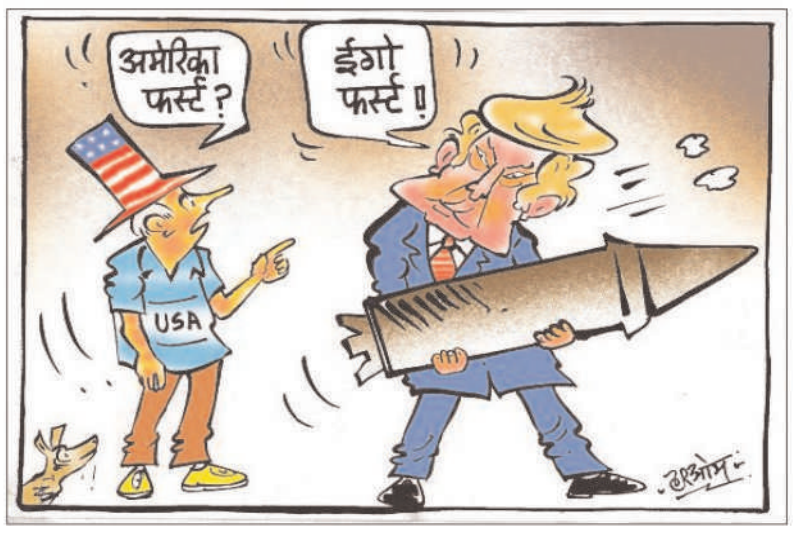

आज की पाती

याद रखना हमेशा, वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर, 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। तब से हर वर्ष की 21 मार्च को यह दिवस मनाया जाता रहा है। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते है, क्योंकि यह हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि अब वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है। वनों की रक्षा के लिए सरकार, नागरिकों तथा संस्थाओं को मिल कर काम करना होगा।

– जगमोहन साहू, रायपुर

ट्रेंड

नए युग को आकार

मोदी जी की दशकों की सेवा ने एक नए युग को आकार दिया है। चाहे गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास में नए मुकाम हासिल करना हो या वैश्विक मंचों पर राष्ट्र का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

आयुष्मान भारत योजना

हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का निर्णय लिया ताकि जरूरतमंद परिवारों को 10 लाख तक के मुफ्त इलाज का सहारा मिल सके। आज 7 लाख से ज्यादा परिवारों के पास आयुष्मान भारत योजना का सुरक्षा कवच है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हवाई यात्रा का किराया

हवाई यात्रा का किराया मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। मोदी सरकार हवाई किराए पर लगी सीमा को हटा रही है, जिससे टिकटों की कीमतों में भारी मुद्रास्फीति हो सकती है। सरकार को हवाई किराए को अधिक प्रभावी ढंग से विनियमित करने पर काम करना चाहिए।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

चाटुकारिता की दुकानें

गैस ने 'चाट' की दुकाने बंद कर दी है और जनता का विरोध देखकर 'चाटुकारिता' की भी दुकाने जल्दी ही बंद हो जाएगी . . . उनके शटर गिरना तो शुरू ही हो चुके है . बस ताला लगना बाकी है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' जानलेवा है: नया अध्ययन

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' (जीवाणु जनित मस्तिष्क ज्वर) एक बार फिर दुनियाभर में सुर्खियों में है। इस बीमारी के हाल में सामने आए मामले न्यूजीलैंड के ओटागो विश्वविद्यालय और इंग्लैंड के केंट विश्वविद्यालय से जुड़े हैं। 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' को एक गंभीर और जानलेवा बीमारी माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि इससे संक्रमित लगभग हर छह में से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है, भले ही उसे तुरंत चिकित्सकीय देखभाल और एंटीबायोटिक उपचार मिला हो। यह आंकड़ा भयावह है जिस पर अकसर बात होती है लेकिन इस बारे में अधिक बात नहीं की जाती

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है।

संक्षेप

चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

डीएम ने मुसाफिरखाना में सुनी जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

अमेठी , जनपद की चारों तहसीलों में जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील मुसाफिरखाना में यह दिवस आयोजित हुआ। जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्याएं सुनीं और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को गंभीरता से लेकर प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि जनसामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भी जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने सुना। उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को इन शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए। आज तहसील मुसाफिरखाना में कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील अमेठी में 22 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 01 का निस्तारण हुआ। तहसील तिलोई में 05 और तहसील गौरीगंज में 12 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गईं। जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुनें तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शशिकांत साहू सपा में हुए शामिल

अमेठी में लोहिया जयंती पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ने ली सदस्यता

अमेठी , समाजवादी पार्टी कार्यालय में समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती एवं शहीद दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने डॉ. लोहिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया के विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं और समाज में समानता, सामाजिक न्याय तथा गरीबों के अधिकारों की लड़ाई को दिशा देते हैं। जिला महासचिव अरशद अहमद ने कार्यकताओं से लोहिया जी के सिद्धांतों को अपनाकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. लोहिया का जीवन संघर्ष, सादगी और समाजसेवा का प्रतीक रहा है।

भरतपुर में खुशहाल जिन्दगी बसर करेंगे भरथापुर के विस्थापित परिवार

136 लाभार्थियों के खातों में पहुंची मुख्यमंत्री आवास की धनराशि

- 118 हित ग्राहियों के खातों में पहुंची 21 करोड़ 55 लाख 55 हजार 851 रुपए की धनराशि
- मुख्यमंत्री के प्रयास से साकार हुआ भरथापुर ग्रामवासियों के विस्थापन का सपना

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) के ग्राम सेमरहना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मा. मंत्री कृषि/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच सूर्य प्रताप शाही, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, महसी के सुरेश्वर सिंह, बलहा की श्रीमती सरोज सोनकर, सदर की श्रीमती अनुपमा जायसवाल, नानपारा के राम निवास वर्मा, विधान परिषद सदस्य पदमसेन चौधरी व डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड, पूर्व सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, जिलाध्यक्ष अपना दल एस गिरीश पटेल, जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी मनोज निषाद व जिलाध्यक्ष सुभासपा महामुनि राजभर के साथ 136 लाभार्थियों के खातों में रू. 1.20 लाख की दर से रू. 01 करोड़ 63 लाख 20 हजार की धनराशि तथा आवास के लिए प्रत्येक लाभार्थी को 748 वर्ग फिट के पट्टे तथा पात्रता के अनुसार आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, शौचालय आदि के स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जनपदवासियों को बसंतीय नवरात्र व रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री राम के जन्म दिन से ठीक एक दिन पूर्व भरथापुर वासियों के विस्थापन का सपना पूरा हो रहा है। उन्होंने भरथापुर के स्थान पर विकसित होने वाली कालोनी का नाम भरतपुर रखने की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ग्राम सेमरहना व भरथापुर के निवासी इस बात की मिसाल बनेंगे कि भाई से भाई का प्यार कैसा होता है। मा. मुख्यमंत्री जी ने जिलाधिकारी को मॉडल के अनुसार ही कालोनी विकसित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए अभियान संचालित कर शारदीय नवरात्रि से पूर्व निर्माण कार्य को पूरा कराया जाय ताकि ग्रामवासियों के गृह प्रवेश की शुभबेला के अवसर पर वह स्वयं भी साक्षी बन सकें। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए धन की कमी आड़े नहीं आयेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुरूह वनों तथा जलीय एवं जंगली जानवरों के बीच जिन्दगी गुजार कर बाहर आने वाले लोगों के लिए शिक्षा के साथ-साथ सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाये ताकि इनका परिवार भी तरक्की कर सके। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी छः वन ग्रामों टेड़िया, ढकिया, गोकुलपुर, बिछिया, भवानीपुर व महबूबनगर को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया गया है। जिससे निवासरत परिवारों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद बहराइच महर्षि बालार्क की पावन साधना स्थली एवं महाराजा सुहेलदेव के शौर्य एवं पराक्रम की धरा है। उन्होंने कहा कि ऋषि मुनियों एवं वीर योद्धाओं का शौर्य एवं पराक्रम एक हजार वर्ष बाद भी हमसब को नई प्रेरणा प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने सेवा एवं संवेदना के साथ कार्य करते हुए डबल इंजन की सरकार ने नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण किये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सरकार सेवा एवं संवेदना के साथ कार्य करती है तो लोगों के आवास का सपना पूरा होता है, लोगों को आयुष्मान कार्ड, रोजगार, हाई-वे जैसी सौगात मिलती है तथा ऐसी शान्ति का माहौल होने से देश विदेश के निवेशक निवेश के लिए प्रदेश को तरजीह देते हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर सांस्कृतिक विभाग के लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक नृत्य के साथ मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया गया। जबकि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने विस्थपित ग्राम के लिए प्रस्तावित ले आउट मॉडल के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम को मा. मंत्री कृषि/प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड, एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल व बलहा की श्रीमती सरोज सोनकर ने सम्बोधित किया। जबकि ग्राम भरथापुरवासी मुन्ना लाल मौर्या ने अपने मन की बात करते हुए अनुभवों को साझा किया तथा संगीता व आरती ने मुख्यमंत्री को हल व धनुष बाण भेंट किया। मुख्यमंत्री ने भरथापुर ग्रामवासियों का कुशल क्षेम जाना, बच्चों को दुलार करते हुए चाकलेट भेंट किया तथा लाभार्थियों के साथ फोटो सेशन में शामिल होने के पश्चात कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम-भरथापुर नेपाल राष्ट्र के समीप गेरूआ व कौडियाला नदी के बीच में बसा कर्तीनियाघाट वन्य अभ्यरण के अन्तर्गत एक राजस्व ग्राम है जहां पर आने-जाने के लिए मात्र नाव ही एक साधन है, प्रायः यहा पर वन्य जीवो जैसे बाघ, हाथी आदि जानवरों द्वारा फसले नष्ट करने के साथ ही छोटे बच्चों, महिलाओं पर हमला किया जाता है। हाथियों द्वारा घरों को उजाड़ दिया जाता है। जीवकोपार्जन की गांव में पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण गांव के 23 व्यक्ति 29 अक्टूबर 2025 को निकटतम स्थानीय बाजार से नाव पर सवार होकर सामान लेने गये थे जिसके उपरान्त वापस आने पर नाव पलटने कि घटना हो गई। जिसके क्रम में एसएसबी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमो द्वारा रेसक्यू करके 14 लोगो की जान बचाई गई तथा दुर्भाग्य से 09 लोगो की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री द्वारा जिलाधिकारी, बहराइच को पीडित व्यक्तियों/परिवार को हर सम्भव मदद दिये जाने का निर्देश दिया गया। तदोपरान्त मुख्यमंत्री द्वारा 02 नवम्बर 2025 को घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण करते हुए पीडित परिवारों से मिहींपुरवा में भेंट करके उनका हाल जाना गया। जिस पर ग्रामवासियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि ग्राम-भरथापुर में आने-जाने का कोई साधन नहीं है, बच्चों के चिकित्सा, शिक्षा आदि के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है प्रायः जगली जानवरों के हमलों का खतरा बना रहता है। इस पर मुख्यमंत्री द्वारा हर सम्भव मदद दिलाये जाने का आश्वासन देते हुए जिलाधिकारी बहराइच को निर्देश दिया गया कि पीड़ित परिवारों को सभी प्रकार की सरकारी सहायता प्रदान कराते हुए उनको पुर्नस्थापित किये जाने की अतिशीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित कराये। इसी क्रम में भरथापुर वासियों का वन विभाग द्वारा अभ्यारण्यों के अधिसूचित कोर/महत्वपूर्ण बाघ प्राकृत्वास में निवासरत व्यक्तियों को स्वैच्छिक ग्राम पुनर्वास के हेतु वन स्वीकृत धनराशि से विस्थापित होने वाले 118 हितग्राहियों को 15 लाख प्रति परिवार की दर से एवं उसकी निजी परिसम्पत्तियों यथा-कृषि भूमि, मकान, कुंआ, हैण्ड पम्प एंव वृक्ष आदि के मूल्य के बराबर धनराशि मुआवजे के रूप में लगभग 21,55,55,851.00 (इक्कीस करोड़ पचपन लाख पचपन हजार आठ सौ इक्यावन रूपया) दिया गया है। नाव हादसे के प्रभावित परिवारों तथा गांव में निवासित अन्य परिवारों को ग्राम पंचायत-सेमरहना में पुनः स्थापित करने हेतु 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, प्रत्येक परिवार को शौचालय, आवास निर्माण हेतु भूमि का पट्टा स्वीकृत किया गया है। जिसको कालोनी के रूप में बसाया जाना है। जिसमें सड़क, ग्रीन बेल्ट, नाली, सीसीमार्ग, एलईडी, स्ट्रीट लाइट, इण्टरलॉकिंग टाईल्स, वाटर सप्लाई, आदि अवसंरचनात्मक सुविधाओ आदि के साथ कालोनी के ही निकट राशन की व्यवस्था हेतु अन्नपूर्णा भवन का निर्माण, बच्चों की शिक्षा के दृष्टिगत स्थापित प्राथमिक विद्यालय में 01 अतिरिक्त कक्ष एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निर्माण की स्वीकृत किया गया है।

ताज नगरी में ओमप्रकाश वर्मा को मिला प्रदेश सेवारत्न अवॉर्ड

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। जनपद के लिए गर्व का ऋण तब आया जब विकासखंड नवाबगंज के छीटूपुरवा (इमामनगर गड़रहवा) निवासी कों संकल्प मानव सेवा संस्थान द्वारा आगरा में सेवा रत्न 2026 सम्मान से नवाजा गया। रक्तदान के क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ सेवा और 16 बार रक्तदान करने के आद्वितीय संकल्प ने उन्हें या सम्मान दिलाया। बीते 22 मार्च को आगरा में संस्था के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह एवं विशाल रक्तदान शिविर में या सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल एवं कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने ओमप्रकाश वर्मा पुत्र छोटेलाल को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद एसपी सिंह बघेल सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के पश्चात ओम प्रकाश ने कहा कि यह उपलब्धि उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। जरुरत पड़ने पर मानवता की रक्षा के लिए आगे आते हैं उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि रक्त की कमी से किसी भी व्यक्ति की जान न जाए। श्री वर्मा अब तक 16 बार रक्तदान कर चुके हैं और संकल्प मानव सेवा संस्था के माध्यम से सैंकड़ो युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित कर चुके हैं उनकी सक्रियता और समर्पण के कारण कई सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित हो चुके। आज ओमप्रकाश वर्मा और उनकी टीम न केवल विकासखंड नवाबगंज बल्कि पूरे बहराइच के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं जो समाज सेवा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर रही है।इस अवसर पर अरविन्द वर्मा, विनोद गिरि, वकील अहमद, रजनीश त्रिपाठी, जीतेन्द्र यादव, रमेश सोनकर, राजू, पंकज पटेल आदि नें शुभकामनायें दी।

भरतपुर वासियों को मिला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद

सेमरहना में सीएम योगी का दौरा, 136 परिवारों को दी आर्थिक सहायता

गृह प्रवेश की बात कह मुख्यमंत्री ने चौंकाया

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। बलहा विधानसभा के तहसील मिहींपुरवा के भरथापुर गांव के विस्थापन एवं पुनर्वास को लेकर बुधवार को सेमरहना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे।उनका हेलीकॉप्टर सुबह करीब 11:16 बजे सभा स्थल के पास बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरा, जहां से वह कार द्वारा मंच तक पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही पंडाल जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत भारत माता की जय के साथ करते हुए महाराजा सुहेलदेव और महर्षि वाल्मीकि को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 118 विस्थापित परिवारों के खातों में 21 करोड़ 55 लाख रुपये से अधिक की धनराशि बटन दबाकर हस्तांतरित की। साथ ही 136 परिवारों को आवास, शौचालय सड़क बिजली पार्क व अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ देने की घोषणा की। उन्होंने सेमरहना में बनने वाली नई कॉलोनी का नाम भरतपुर रखने का ऐलान भी किया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि से पहले कॉलोनी का निर्माण पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अगली नवरात्रि में फिर से सेमरहना आकर विस्थापितों के गृह प्रवेश में शामिल होने की बात भी इशारों इशारों में कह दी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों ने जाति के आधार पर राजनीति की, जबकि वर्तमान सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 54 वन टांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया जा चुका है। साथ ही मिहींपुरवा तहसील के महबूबनगर, टेड़िया, ढकिया, भवानीपुर और बिछिया सहित छह वन ग्रामों को भी राजस्व ग्राम घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने करीब 38 मिनट तक संबोधन दिया और 10 लाभार्थियों को स्वयं स्वीकृति पत्र वितरित किए। तय कार्यक्रम के अनुसार वह लगभग एक घंटा 35 मिनट तक सेमरहना में रहे। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक सरोज सोनकर , अनुपमा जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सीमा पर एसएसबी ने भारी मात्रा में कपड़ा किया बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा एस एस बी ने नेपाल को तस्करी कर ले जा रहे भारी मात्रा में कपड़े को बरामद कर तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध सामान की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी),को ये सफलता हाथ लगी है। कमांडेंट गंगा सिंह उदावत के निर्देशन में कार्यरत एसएसबी को 24 मार्च को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि सीमा पर कुछ लोग अवैध सामान लेकर नेपाल जाने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक श्याम लाल के नेतृत्व में एक विशेष गश्ती दल का गठन किया गया। गश्ती दल निर्धारित स्थान के लिए रवाना हुआ और सीमा के पास भारत की ओर घेराबंदी कर तैनात हो गया। टीम ने तीन व्यक्तियों को साइकिल पर सामान लादकर नेपाल की ओर जाते हुए देखा। संदेह होने पर जवानों ने उन्हें रोककर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम राम सहाय वर्मा (20 वर्ष), हलीम (15 वर्ष) तथा बच्छ राज (20 वर्ष) निवासी ग्राम निधिनगर संकल्पा, थाना रुपईडीहा, जिला बहराइच बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से 200 नग लेडीज सूट, 23 नग लेडीज साड़ियां तथा तीन साइकिल बरामद की गईं। एसएसबी ने आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई पूरी करने के बाद बरामद सामान और तीनों आरोपियों को अग्रिम कार्रवाई हेतु कस्टम कार्यालय नानपारा को सुपुर्द कर दिया।

एसएसबी की तत्परता से मानव तस्करी का प्रयास विफल, नाबालिग सुरक्षित

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच।

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी)को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एसएसबी की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक संदिग्ध मानव तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए नाबालिग लड़की को सुरक्षित बचा लिया गया।

कमांडेंट गंगा सिंह उदावत के निर्देशन में कार्यरत एसएसबी टीम को स्पेशल इंटेलिजेंस के माध्यम से सूचना मिली कि चकिया मोड़ बस स्टैंड पर एक संदिग्ध युवक और एक लड़की बैठे हुए हैं। सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक तपन बरुआ के नेतृत्व में टीम को मौके पर भेजा गया।

टीम ने चकिया मोड़ (प्राइवेट) बस स्टैंड पहुंचकर दोनों संदिग्धों को चिन्हित कर पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में लड़की ने अपना नाम बसु वी.के. (15 वर्ष) तथा युवक ने नरेश कामी (18 वर्ष) बताया और दोनों ने स्वयं को भाई-बहन बताया। हालांकि, अलग-अलग गांव बताने पर टीम को संदेह हुआ। संदेह के आधार पर दोनों को आगे पूछताछ के लिए कैंप लाया गया, जहां समवाय प्रभारी रुपईडीहा के निर्देशन में मानव तस्करी रोधी इकाई (AHTU) एवं एनजीओ देहात इंडिया की उपस्थिति में गहन पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों के बयान बार-बार बदलते रहे और वे एक-दूसरे के परिवार के बारे में सही जानकारी नहीं दे सके।

बाद में युवक ने बताया कि वह लड़की को पुणे अपने माता-पिता के पास ले जा रहा था। वहीं, लड़की के परिजनों से संपर्क करने पर उसकी बहन ने जानकारी दी कि लड़की की सगाई कहीं और तय है और वह घर से बिना बताए चली गई है। युवक के परिजनों ने भी लड़की के बारे में अनभिज्ञता जताई।

बयानों में लगातार विरोधाभास और परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर मामला संदिग्ध मानव तस्करी का प्रतीत होने पर एसएसबी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग को सुरक्षित बचा लिया। बाद में लड़की को नेपाल स्थित एनजीओ शांतिपूर्ण स्थापना गृह को सुपुर्द कर दिया गया, जबकि संदिग्ध युवक को अग्रिम कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया।

प्रदेश नेतृत्व के समक्ष रखे सीमावर्ती क्षेत्र के मुद्दे

मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा व कार्यकताओं के सम्मान पर हुआ मंथन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। रुपईडीहा मंडल के मंडल महामंत्री नरेंद्र बहादुर सिंह ने लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने मंडल की वर्तमान स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और स्थानीय जनसमस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने इंडो-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र की विशेष परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए मूलभूत सुविधाओं के अभाव, सुरक्षा व्यवस्था और विकास कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकताओं के मान-सम्मान से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।

नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जानी चाहिए,जिससे आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कार्यकताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने की बात भी कही।

प्रदेश अध्यक्ष ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को क्षेत्रीय विकास और संगठनात्मक मजबूती के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

विश्व टीबी दिवस पर मरीजों को मिली पोषण सहायता

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तेजवापुर में मानवीय पहल का उदाहरण देखने को मिला। 24 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में तेजवापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक अग्निहोत्री ने टीबी से ग्रसित पांच मरीजों को गोद लेते हुए उन्हें पोषण पोटली वितरित की। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है। समय पर जांच, नियमित दवा और पौष्टिक आहार से मरीज शीघ्र स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने मरीजों को दवा नियमित लेने और खानपान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। स्वास्थ्य विभाग ने टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं, ताकि समय रहते उपचार संभव हो सके। इस दौरान डा. अविनाश सिंह, बीपीएम अनुराधा कुशवाहा, बीसीपीएम रोहित वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

एसडीएम पर दहेज उत्पीड़न-घरेलू हिंसा का केस

पूर्व मंत्री के भाई ने प्रतापगढ़ में दामाद के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, महिला थाने में पीडीडीयू नगर में तैनात एसडीएम अनुपम मिश्र के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा उनकी पत्नी और चंदौली सदर की एसडीएम दिव्या ओझा के पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ है। दिव्या के पिता ने अपनी शिकायत में दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं।अनुपम मिश्र प्रयागराज के नैनी निवासी प्रमोद मिश्रा के बेटे हैं। उनकी शादी दिसंबर 2020 में प्रतापगढ़ के शुकुलपुर दहिलामऊ निवासी निशाकांत ओझा की बेटी दिव्या ओझा से हुई थी। शादी के समय दोनों पीसीएस अधिकारी थे और वर्तमान में अनुपम पीडीडीयू नगर तथा दिव्या चंदौली सदर तहसील में एसडीएम पद पर तैनात हैं। एसडीएम दिव्या के पिता निशाकांत ओझा ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि शादी के लिए शुरूआत में 20 करोड़ रुपये दहेज की मांग की गई थी। बाद में यह मांग 15 करोड़ और फिर 5 करोड़ रुपये तक कम की गई। अंततः शादी एक करोड़ रुपये में तय हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के बाद से उनकी बेटी को लगातार परेशान किया जा रहा है।शिकायत के अनुसार, 7 दिसंबर 2025 की रात करीब 2 बजे दिव्या पर जानलेवा हमला किया गया। इसके अलावा, 2 दिसंबर 2025 और 6 सितंबर 2025 को भी उनके साथ मारपीट की गई। दिव्या को यह धमकी भी दी गई कि यदि उन्होंने कोई कार्रवाई की तो उनका करियर बर्बाद कर दिया जाएगा। निशाकांत ओझा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में पहले पीडीडीयू नगर के अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व मंत्री भाजपा नेता शिवाकांत ओझा ने पारिवारिक मामले में बोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद, प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने पर महिला थाने में अनुपम मिश्र, उनके पिता प्रमोद मिश्र, मां शशि मिश्रा, बहन पूजा पांडेय और प्रीति पांडेय के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया गया है।

संक्षेप

पालिका कर्मचारियों की हड़ताल, चार माह से वेतन बकाया

कार्य बहिष्कार से जल, बिजली सेवाएं प्रभावित होने की आशंका, जल्द भुगतान की मांग तेज

बागपत , नगर पालिका के कर्मचारियों ने चार माह से वेतन न मिलने के विरोध में कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू कर दी है। जलकल, बिजली और अन्य विभागों के कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हैं, जिससे शहर की आवश्यक सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन न मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा और दैनिक खर्चों में परेशानी आ रही है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके बाद उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। हड़ताली कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो वे शहर की पानी और बिजली आपूर्ति को पूरी तरह से बाधित कर देंगे। उनका कहना है कि यह उनकी मजबूरी है और वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नगर पालिका प्रशासन ने इस संबंध में कहा है कि वेतन भुगतान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों ने कर्मचारियों से हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने की अपील की है, ताकि शहर की आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) के.के. भड़ाना ने बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है। स्थानीय लोग प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

'शहीद चौक' बनाने की मांग

विश्व हिंदू महासंघ ने प्रशासन को भेजा पत्र

बागपत , विश्व हिंदू महासंघ की जिला इकाई ने शहर के बड़ौत दिल्ली अड्डे का नाम बदलकर शहीद चौक नाम रखने की मांग है। संगठन के जिलाध्यक्ष कृष्णपाल शर्मा ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि यह पहल शहीदों के सम्मान, उनकी स्मृति को बनाए रखने और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने के उद्देश्य से की जा रही है। संगठन ने सुझाव दिया है कि प्रस्तावित चौराहे पर शहीदों के चित्र, तिरंगा ध्वज, भारत माता की प्रतिमा और देशभक्ति से जुड़े संदेश स्थापित किए जाएं। महासंघ का तर्क है कि 'वंदे मातरम' केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उनका मानना है कि इस नामकरण से युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण और गर्व की भावना मजबूत होगी।

बदला मौसम का मिजाज, बूंदाबांदी हुई

आसमान में काले बादल छाए, 48 घंटे तक ऐसा ही रहेगा मौसम

मेरठ, पिछले एक सप्ताह से मौसम लगातार करवट बदल रहा है। कभी बारिश तो कभी धूप, इस उतार-चढ़ाव ने जनजीवन के साथ-साथ किसानों की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। पिछले दो दिनों तक आसमान साफ रहने और हल्की धूप निकलने से लोगों को राहत मिली थी, लेकिन सोमवार सुबह एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली। सुबह से ही शहर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई

भगवान श्री राम को छूना पड़ेगा भीमराव अंबेडकर के पैर- अंबेडकरवादी ग्रामीण

धार्मिकता के ऊपर संविधान उखाड़ा गया टेंट पंडाल नहीं हुई रामलीला

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर, वर्तमान सरकार भले ही धर्म संप्रदाय को सुरक्षित रखने हेतु जगह-जगह जय श्री राम का डंका बजाते हुए अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही हो लेकिन धरातल पर धार्मिकता पर आम जनमानस जोरदार तमाचा मारता स्पष्ट दिखाई दे रहा है ताजा मामला फतेहपुर जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव द्वारिकापुर जट्ट का सामने आया जहां विगत वर्षों की भांति नवरात्र पर में होने वाले जवारा तथा रात्रि कार्यक्रम में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन लीला का विरोध गांव के अंबेडकरवादी ग्रामीणों ने कर डाला स्थानीय ग्रामीण आयोजक शिक्षक माधव सिंह अभिलाष उमराव कुंदन विश्वकर्मा

रामनरेश सत्यपाल सुरेंद्र समेत लगभग आधा सैकड़ा लोगों ने लिखित शिकायती पत्र नजदीकी थाना जहानाबाद को सौपते हुए बताया कि ग्रामीण सूर्यभान पुत्र गंगाराम रोहित पुत्र रंजीत अभिषेक पुत्र हरिपाल आदि लोगों द्वारा गांव में प्रतिवर्ष होने वाली रामलीला का खुला विरोध किया गया जहां स्पष्ट शब्दों में लोगों ने कहा कि गांव के अंबेडकर मैदान में होने वाली रामलीला इस वर्ष नहीं होगी पीड़ितों ने बताया कि उक्त लोगों द्वारा कहा गया यदि रामलीला इस मैदान पर होगी तो मंच पर विराजमान मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को सर्वप्रथम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के पैर छूने होंगे वास्तव में यह शब्द धार्मिक संप्रदाय को एक गहरी ठेस पहुंचाते हैं लिखित तहरीर देने के पश्चात पुलिस प्रशासन ने भी अपने हाथ पर डाल दिए मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने जांच पड़ताल करते हुए अंबेडकरवादी ग्रामीणों का पक्ष लेकर रामलीला स्थगित कर देने का आदेश दिया वहीं थाना प्रभारी ने मामले पर पर्दा डालते हुए बताया कि प्रमुख आयोजकों ने कार्यक्रम से पूर्व थाना परिसर से कोई भी परमिशन नहीं ली थी जिस कारण कार्यक्रम रोक दिया गया है ऐसी घटनाओं से साफ स्पष्ट होता है की वर्तमान सरकार में धर्म सुरक्षित नहीं है

हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम डाएट सभागार में आयोजित

शिक्षा को नई दिशा देने वाले शिक्षक हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, जनपद के डाएट सभागार अंतर्गत जनपद स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वित्त एवं लेखा अधिकारी शेष श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम को गति प्रदान की गई सभागार में उपस्थित शिक्षा को उत्कृष्ट स्थान प्रदान करने में सहयोग देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया शिक्षा जगत को मजबूती देने हेतु कार्यक्रम में अनेक प्रकार की चचाएं हुई कार्यक्रम का संचालन एस आर जी राधेश्याम दीक्षित तथा जयचंद पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य अतिथि ने अमौली विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बाबूपुर के प्रधानाध्यापक सर्वेश कुमार अवस्थी को निपुण शिक्षक से नवाजा तथा सम्मानित किया ठीक इसी प्रकार जनपद के मलवां विकासखंड अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर की प्रधानाध्यापिका वैष्णोकीर्ति शुक्ला को उत्कृष्ट शिक्षक संकुल नोडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया वही कार्यक्रम अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय बरौरा की साधना श्रीवास्तव को उत्कृष्ट मॉडल शिक्षक पुरस्कार डीसी अशोक त्रिपाठी तथा एस आर जी राजेश त्रिपाठी द्वारा प्रदान किया गया हाल ही में 31 मार्च को सेवानिवृत्ति होने वाले नोडल एस आर जी राजेश त्रिपाठी को भी मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मौजूद अन्य शिक्षक आंगनबाड़ी कार्यकत्री शिक्षामित्र आदि भी उपस्थित रहे जिन्हें भी सम्मानित

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक ने दी धमकी

चापड़ लेकर घर पहुंचा आरोपी, बोला- छोटे-छोटे टुकड़े कर दूंगा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, टीपी नगर क्षेत्र में गाली-गलौज का विरोध करना एक परिवार के लिए भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध से नाराज होकर एक युवक हाथ में चापड़ लेकर पीड़िता के घर पहुंच गया और पूरे परिवार को जान से मारने तथा छोटे-छोटे टुकड़े करने की धमकी दी। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी हथियार लहराते हुए परिवार को डराते-धमकाते नजर आ रहा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि थाने में शिकायत के बावजूद आरोपी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराज होकर परिवार ने एसएसपी दफ्तर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।जानिए क्या है पूरा मामला ट्रांसपोर्ट नगर स्थित शिव हरी मंदिर के पास रहने वाली नीतू पुत्री राजपाल सिंह सोमवार को अपने परिजनों और मोहल्ले के दर्जनों लोगों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची। उसने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि मोहल्ले का ही रहने वाला भूपेंद्र, जो खुद को अधिवक्ता बताता है, इलाके में दबंगई दिखाता है और लोग उससे भयभीत रहते हैं। आरोप है कि रविवार शाम वह घर के बाहर खड़ा होकर किसी से गाली-गलौज कर रहा था। नीतू द्वारा इसका विरोध करने पर वह भड़क गया और उल्टा उसके परिवार को ही अपशब्द कहने लगा। पीड़िता ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया।

नवारम्भ उत्सव बाल वाटिका कार्यक्रम के साथ नए सत्र का हुआ आगाज

शिक्षण संस्थानों में बच्चों के नव प्रवेश हुए प्रारंभ

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत आगामी सत्र हेतु शिक्षा प्राप्त करने वाले नौनिहालों के प्रवेश प्रारंभ हुए समूचे विकासखंड के सभी शिक्षण संस्थानों में कल नवारंभ उत्सव बाल वाटिका का विशेष कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया अमौली शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय तारापुर में प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला की अगुवाई में विद्यालय अंतर्गत सुंदर-सुंदर रंगोली निर्मित कराई गई वहीं फूलों और गुब्बारों से विद्यालय को सजाया गया विद्यालय परिसर में बने सेल्फी पॉइंट में बच्चों ने अपनी अपनी फोटो खींचाते हुए प्रसन्नता जाहिर की नव प्रवेशी बच्चों के पहुंचते ही विद्यालय में प्रधानाध्यापिका एवं सहायक शिक्षिका ने रोली टीका करते हुए बच्चों का मुंह मीठा कराया आमंत्रण पर विद्यालय पहुंचे एआरपी शिक्षक राजेंद्र उमराव सुशील कुमार आदि ने भी अभिभावकों को महत्वपूर्ण जानकारियां बैठक अंतर्गत दी ठीक इसी प्रकार न्योरी जलालपुर में प्रधानाध्यापक अविनाश सचान कंपोजिट विद्यालय बंबुरिहापुर में प्रधानाध्यापक ऋतुराज वर्मा नरैचा में श्याम जी तिवारी कुलखेड़ा में सरोज सोनकर नारायणपुर में प्रधानाध्यापक शैलेंद्र सचान के साथ-साथ क्षेत्र के अन्य जैसे ऊदूपुर सिकंदरपुर चांदपुर बेहटा बाबूपुर सरहन खुर्द नसेनिया मेढापाटी तारन डेरा आदि सभी विद्यालयों में यह उत्सव विद्यालय द्वारा आयोजित करते हुए धूमधाम से मनाया गया वही सभी विद्यालयों अंतर्गत नवप्रवेशी बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश किया तथा विद्यालयों में हुई बैठक अंतर्गत एआरपी शिक्षक विद्यालय के सभी शिक्षक आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा भारी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि व अभिभावकगण मौजूद रहे

बोरिंग के दौरान करंट लगने मजदूर की मौत

एचटी लाइन से टकराया पाइप, मिस्त्री गंभीर घायल

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, हस्तिनापुर में क्षेत्र के नगली गाजरोली गांव में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बोरिंग के दौरान 11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक मिस्त्री गंभीर रूप से झुलस गया। बोरिंग करते समय हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, गांव निवासी श्यामलाल (करीब 46 वर्ष) अपने प्लॉट में पानी के लिए नल का बोरिंग करवा रहे थे। इसी दौरान बोरिंग में इस्तेमाल हो रहा लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की विद्युत लाइन से टकरा गया। तेज करंट लगने से श्यामलाल और तारापुर निवासी मिस्त्री बुध सिंह गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल में तोड़ा दम घटना के बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। घायल बुध सिंह को तत्काल रामराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं श्यामलाल को हस्तिनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेरठ भेज दिया। मृतक अपने पीछे दो बच्चों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है।

चप्पल पहनकर युवक ने धोए आलू

मशहूर चाट भंडार पर हर रोज पहुंचते हैं 500 से ज्यादा लोग, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , चाट भंडार में एक युवक पैरों में चप्पल पहनकर आलू को साफ कर रहा है। इसका 41 सेकेंड का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें एक युवक रात के समय चाट की दुकान के बाहर एक भगोने में आलूओं को कुचलते हुए धोता दिखाई दे रहा है। दुकान के ही एक ग्राहक ने यह वीडियो बनाई है। वीडियो में एक लड़की बोल रही है कि मेरी मम्मी भी यहीं की टिक्की खाती हैं, अब मैं उन्हें पूरी सच्चाई दिखाउंगी। तब ही उन्हें भरोसा होगा। मामला लोनी थाना क्षेत्र में कृष्णा चाट भंडार का है।अंकुर विहार में है चांट भंडारयह वीडियो डीएलएफ अंकुर विहार-3 एटीएम चौक पर स्थित कृष्णा चाट भंडार का है। जहां एक युवक चप्पल पहन कर आलू को रौंद रहा है। तभी एक ग्राहक ने चुपके से इसकी वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी। यह भी बताया जा रहा है कि रात में हर रोज आलूओं को ऐसे ही साफ किया जाता है। इसकी शिकायत थाने में दर्ज करा दी है। अब पुलिस पूरे मामले की जानकारी कर रही है। इस स्थान पर 500 से अधिक लोग चांट और टिक्की खाने पहुंचते हैं।सड़क के किनारे है चांट भंडार यह चाट भंडार सड़क के किनारे है। वीडियो में देखा जा सकता है कि करीब 25 किलो से अधिक का एलमुनियम का भगोना है। उसमें आलू भरे हुए हैं। जहां चप्पल पहनकर जब युवक आलू को साफ कर रहा है तो आलू बाहर भी निकलकर गिरा। इससे पहले जूस ने थूकने का मामला भी सामने आया था। वीडियो में सरे आम स्वास्थ्य के साथ साथ इंसानियत को भी तार-तार किया जा रहा है। सचिन चौधरी ने इस मामले में अंकुर विहार थाने में तहरीर देते हुए कहा कि इसमें चांट भंडार के मालिक और वीडियो में इतनी घिनौनी हरकत करने वाले पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

साफ सफाई का ध्यान नहींलोनी से मनोनीत पार्षद विपिन भाटी का कहना है कि यह वीडियो अंकुर विहार की है। जिसमें वीडियो में दुकान और चौराहे की पहचान हो रही है। इस मामले में पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। इस मामले में फूड विभाग से भी हम शिकायत करेंगे।

दवा विक्रेता एसोसिएशन का विरोध

नारकोटिक्स विभाग की जांच से उत्पीड़न का आरोप; कहा, हम दवा बेचते हैं

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , उत्तर प्रदेश में दवा विक्रेताओं ने नारकोटिक्स विभाग और एफडीए की संयुक्त जांच के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। होलसेलर एंड रिटेलर केमिस्ट एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि लाइसेंस सत्यापन के नाम पर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। एसोसिएशन के अनुसार, उत्तर प्रदेश में लगभग 2.5 लाख लाइसेंसधारी दवा विक्रेता हैं, जिनसे करीब पांच लाख परिवार जुड़े हुए हैं। हाल ही में, एफडीए विभाग की प्रमुख सचिव रोशन जैकब ने पूरे प्रदेश में लाइसेंस की जांच का आदेश दिया है, जिसके बाद ड्रग विभाग के अधिकारियों के साथ नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी भी बाजारों में सत्यापन के लिए पहुंच रहे हैं। दवा विक्रेताओं का कहना है कि वे नशे का कारोबार नहीं करते, बल्कि जीवनरक्षक दवाएं बेचते हैं। उनका आरोप है कि जांच के नाम पर उन्हें अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने बताया कि प्रत्येक पांच वर्ष में लाइसेंस का सत्यापन होता है और व्यापारी सभी संबंधित दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करते हैं, जिसके बाद लाइसेंस का नवीनीकरण होता है। ऐसे में बार-बार जांच के नाम पर भ्रष्टाचार और उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। शेड्यूल एच1 के तहत आने वाली दवाएं कंपनियां बनाती हैं और ये बिल के साथ खरीदी व बेची जाती हैं। इन दवाओं का 95% उपयोग माइग्रेन, डिप्रेशन, ऑपरेशन, हृदय रोग और ट्रॉमा जैसी बीमारियों के इलाज में होता है। इनके बिना कई बीमारियों का इलाज संभव नहीं है। यदि सरकार को लगता है कि इन दवाओं का दुरुपयोग नशे के लिए हो रहा है, तो उन्हें कंपनी स्तर पर ही बंद कर देना चाहिए। नारकोटिक्स विभाग और पुलिस विभाग का दवा विक्रेताओं के यहां दखल नहीं होना चाहिए। एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि नारकोटिक्स के अंतर्गत आने वाली दवाओं की बिक्री सरकारी नियंत्रण में होनी चाहिए और इन्हें बेचने वाले व्यक्ति भी सरकारी होने चाहिए, जिससे इनके दुरुपयोग की संभावना शून्य हो जाएगी। दवा विक्रेताओं ने यह भी कहा कि ड्रग विभाग एक बहुत बड़ा विभाग है और वह लगातार दवा व्यापारियों की जांच करता रहता है। ऐसे में अन्य विभागों की दखलंदाजी की आवश्यकता क्यों है, इस पर समीक्षा की जानी चाहिए।

ट्रेन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

रेलवे ट्रैक पार करते समय हादसा, शव की नहीं हो पाई पहचान

अमन लेखनी समाचार

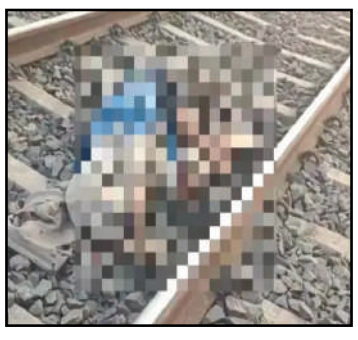

जेवर , ग्रेटर नोएडा के दनकौर रेलवे स्टेशन के पास दोपहर एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पार करते समय हुई। जानकारी के अनुसार, लगभग 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी एक तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि शव के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव के अंगों को एकत्र कर पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया जीआरपी चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी घनश्याम ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष प्रतीत हो रही है, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और स्थानीय लोगों की मदद से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक के बारे में जानकारी जुटा रही है।

कपंनी के अधिकारी के 1.56 करोड़ हड़पे

पूर्व कर्मचारी समेत 4 पर मुकदमा, पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी

अमन लेखनी समाचार

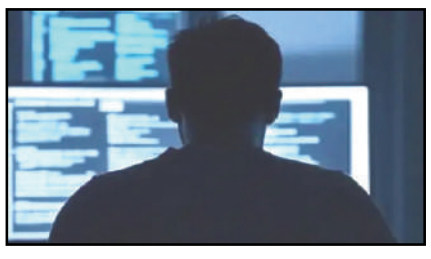

नोएडा, निजी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) ने अपने पूर्व कर्मचारी और उसके साथियों पर 1.56 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए सेक्टर 39 थाने में केस दर्ज कराया है। कुल चार आरोपियों के खिलाफ केस न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ है। पुलिस नामजद आरोपियों से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। मामला जमीन खरीद से जुड़ा हुआ है। सेक्टर-41 निवासी महेश कुमार पंवार महावीर हनुमान डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और केसरी नंदन प्रोजेक्ट लिमिटेड के एमडी हैं, उन्होंने कोर्ट में याचिका दाखिल की। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले उन्होंने बागपत के खेकड़ा क्षेत्र में एक प्रोजेक्ट के लिए कई बीघा जमीन खरीदी थी। इस दौरान ग्राम सुभानपुर खादर की कुछ जमीन अनुसूचित जाति के किसानों के नाम पर होने के कारण प्रोजेक्ट में दिक्कत आ रही थी। महेश का आरोप है कि इसी समस्या का हल निकालने के नाम पर उनके पूर्व कर्मचारी रतन सिंह ने उन्हें अपने झांसे में ले लिया। रतन सिंह ने जमीन अपने नाम कराने और बाद में सही तरीके से ट्रांसफर कराने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि 25 फरवरी 2008 से 24 अगस्त 2012 के बीच महेश ने जमीन खरीदने के लिए कुल 1 करोड़ 56 लाख रुपये रतन सिंह को दे दिए। बिना किसी जानकारी किया रद्द किया करारनामाइस दौरान रतन सिंह ने करीब 45 बीघा जमीन अपने नाम करवा ली और पीड़ित के पक्ष में एक मुख्तारनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) भी खेकड़ा उपनिबंधक कार्यालय में रजिस्टर्ड कराया।

महिला का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक

अपलोड की गई आपत्तिजनक तस्वीरें, सोसाइटी की महिला पर लगा आरोप

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाली महिला के साथ साइबर अपराध का मामला सामने आया है। महिला का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर किसी शरारती व्यक्ति ने उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड कर दीं। इस घटना के बाद महिला को काफी परेशानी और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो अपलोड कर अपनी प्रतिभा को लोगों तक पहुंचाती थीं। कुछ दिन पहले अचानक उनका अकाउंट हैक हो गया। इसके बाद उनके अकाउंट से गलत और आपत्तिजनक फोटो पोस्ट कर दी गईं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर लोग उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने लगे और उन्हें अश्लील व धमकी भरे मैसेज भी मिलने लगे। छवि को हुआ नुकसानमहिला का कहना है कि इस घटना से उनकी छवि को काफी नुकसान पहुंचा है और वह डर व तनाव में जी रही हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में सोसायटी की ही एक महिला पर आरोप लगाया है कि उसने उन्हें बदनाम करने, मानसिक रूप से परेशान करने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची है।

मंत्री असीम अरुण ने नवीन पदाधिकारियों की टीम को दिया सेवा और एकता का मूल मंत्र

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद नामित पदाधिकारियों और सदस्यों का सम्मान समारोह कार्यक्रम भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश समाज कल्याण मंत्री एवं प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने नव नियुक्त कार्यकारिणी पदाधिकारियों को सम्मानित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने भाजपा कार्यालय पर नई कार्यकारिणी को सम्मानित कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर कार्य करती है। इसी सोच के अनुरूप जिला संगठन में हर वर्ग को उचित सम्मान

और प्रतिनिधित्व दिया जाता है। कहा कि हमारा लक्ष्य समाज के हर तबके की भागीदारी सुनिश्चित करना और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना है। भाजपा कार्यकर्ता संगठन की नींव हैं। उनके समर्पण के बल पर ही संगठन लगातार विस्तार कर रहा है। आपकी निष्ठा व निस्वार्थ सेवा ने ही भाजपा को आज दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने सभी से इसी समर्पण के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। जिला प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी ने पदाधिकारियों को संगठन सर्वोपरि का संकल्प दिलाया। कहा कि भारतीय जनता पार्टी (इखढ) की नींव राष्ट्र सेवा, सहयोग (समर्पण), और एक मजबूत सांगठनिक ढांचे पर टिकी है। यह केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक कार्यकर्ता-आधारित परिवार है जो 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ काम करता है। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन प्रभारी मंत्री का स्वागत कर कहा कि हम सब संगठन के सिपाही है और सेवा और समर्पण हमारे विचार और आचरण में व्याप्त है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा ,त्याग ,समर्पण और संकल्प का सजीव प्रतीक है वो सुशासन की मशाल बनकर संगठन की संवेदनशीलता और सेवा भाव को घर घर तक पहुंचाने का काम निस्वार्थ भाव से करता है। कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, संदीप सिंह,शिवराज पटेल, आकाश सिंह, अजय शुक्ला,अलका गुप्ता, महेन्द्र सोनी,सौरभ सिंह गौर, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा,इंजी० ओम वर्मा,सतेन्द्र राजपूत , जिला मंत्री नीतू चन्द्रा,सत्यम शुक्ला, अमरेन्द्र अर्कवंशी,अदिति कुशवाहा, दीपा विश्वास,रीतेश कुमार रिंकू, विवेक त्रिपाठी 'गोपाल',निर्देश राजपूत,जिला कोषाध्यक्ष डॉ० अनुज गुप्ता, जिला सह कोषाध्यक्ष गांगेश पाठक,कपिल मोहन गुप्ता, जिला कार्यालय मंत्री राजवीर सिंह आजाद भदौरिया,जिला सह कार्यालय मंत्री मुकुल सिंह आशा, आशुतोष बाजपेयी,जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह, जिला सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया,आयुष सिंह,जिला संयोजक आईटी प्रद्युमन आनंद मिश्रा,जिला संयोजक सोशल मीडिया अनुराग श्रीवास्तव,निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह,निवर्तमान जिला मंत्री अविनाश पाण्डेय मौजूद रहे

नगर पंचायत अध्यक्ष ने सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र। नगर पंचायत चोपन के वार्ड संख्या 07 में सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली एवं अधिशाषी अधिकारी अखिलेश सिंह ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना के साथ नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वार्ड के नागरिक व गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वार्ड में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय निवासियों ने लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या को लेकर कई बार मांग उठाई थी। अब सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से वार्डवासियों में खुशी की लहर है। लोगों का कहना है कि इस सड़क के बन जाने से आवागमन सुगम होगा, साथ ही बरसात के समय होने वाली दिक्कतों से भी राहत मिलेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने अपने संबोधन में कहा कि नगर के सभी वार्डों में बिना भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनकी

प्राथमिकता है और इसी क्रम में सड़क, नाली, पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगे भी विकास कार्यों की गति तेज की जाएगी। वहीं अधिशाषी अधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा कि निर्माण कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों व ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आमजन को दीर्घकालिक सुविधा मिल सके। इस मौके पर एस.के. मेहता, आर पी साव ,राधारमण पांडेय, क्रांति कुमार, कृष्णा शर्मा, रामनरेश चौधरी, रोहित तिवारी सहित वार्ड के सम्मानित नागरिक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने विकास कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की।

खास समाचार

हाई टेंशन लाइन से गेहूं की फसल जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

हरदोई , थाना क्षेत्र कछौना के ग्राम रसों में हाई टेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को जलाकर खाक कर दिया। बुधवार दोपहर बाद अचानक रैसो के पश्चिम स्थित किसान राकेश सिंह के खेत में हाई टेंशन लाइन से निकली चिंगारी आ गिरी। देखते ही देखते चिंगरी ने खेत में पकी खड़ी गेहूं की फसल को अगोश में ले लिया। तेज आग की लपट व धुंए का गुबार देख ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर पम्प सेट से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। तेज हवाओं के झोंके से आग ने विकराल रूप धारण किया तो मौके पर फायर बिग्रेड की टीम ने आकर मोर्चा सम्हाल लिया। कड़ी मशक्कत से कुछ देर बाद आग पर काबू पाते हुए दमकल कर्मियों ने पड़ोसी खेतो को नुकसान से बचा लिया। इस दौरान राकेश के खेत की पूरी फसल जलकर स्वाहा हो गयी। किसानों ने मुआवजे की मांग उठाई है।

डिस्ट्रिक्ट केन ग्रोवेर्स कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की वार्षिक बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

हरदोई डिस्ट्रिक्ट केन ग्रोवेर्स कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की वार्षिक साधारण सभा की बैठक रंजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुई जिसमें समिति के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट स्वीकृत करने सहित गन्ना किसानों के हित में कई प्रस्ताव पारित किये गए बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है किसानों के हित में दो बंद पड़े खाद गोदामों का संचालन शुरू कर दिया गया है,साथ ही एक अन्य गोदाम के मरम्मतीकरण प्रस्ताव आज पास किया गया है। इस अवसर पर समिति द्वारा खाद पर लोन देने का प्रस्ताव गोविंद पाठक जी द्वारा किया गया जिसे समिति द्वारा पास किया गया ।समिति उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीतू त्रिवेदी द्वारा पेस्ट्रीसाइट पर छूट देने का प्रस्ताव किया गया जिसे समिति के सभी सदस्यों द्वारा पास किया गया इस अवसर पर श्याम बाबू त्रिवेदी, गोविंद पाठक,सतेंद्र राजपूत ,निखिल त्रिवेदी,मोहित सिंह,पवन सिंह,रामराज सिंह , हर्षवर्धन सिंह,अनुज राजपूत ,सरोज मिश्रा ,बलराम समेत समिति के डेलीगेट उपस्थित रहे। बैठक का संचालन समिति के सचिव श्री ब्रज भूषण शाक्य द्वारा किया गया बैठक में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक लोनी-श्री पुत्तन लाल, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक -हरियावां -श्री संजय सिंह, चीनी मिल लोनी के जी एम, केन-श्री अनिल सिंह व समिति के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे

वैदिक मंत्रों के साथ महाकाली प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। समीपस्थ ग्राम सरसेंडा में श्री श्री 1008 श्री सिद्ध काली माता एवं शिव मंदिर में माता महाकाली की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुई। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम ज्योतिष विशेषज्ञ आचार्य कौशल किशोर मिश्रा शास्त्री (गरौठा) के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने भगवती महाकाली के स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा कि नवदुर्गा पर्व सर्वकल्याणकारी है और देवी की आराधना से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। धार्मिक कार्यक्रम में पंडित रामनारायण चतुर्वेदी, मुख्य यजमान मनोहरलाल पांचाल, नारायण दास, काशीराम, रामनाथ विश्वकर्मा, रविकांत पांचाल, देवेंद्र पांचाल, शंकर, अरविंद, हेमंत, मानवेंद्र, हरिराम विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, रोहित, शनि, कुलदीप, अमित, शिवा, पंकज, सत्यम, नितेश विश्वकर्मा, संस्कार पांचाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी भक्तजन उपस्थित रहे।

महिलाओं को किया गया जागरूक, साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

ककरवई, झांसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज 5.2 के तहत थाना ककरवई की मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान उ0नि0 विजय शंकर मिश्रा एवं महिला कांस्टेबल प्रीति ने थाना क्षेत्र में पहुंचकर महिलाओं /बेटियों को साइबर ठगी से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। थाना परिसर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नारी सुरक्षा एवं नारी सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए बेटियों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–112, 1076, 1090, 1930, 102, 108, 1098 व 181–की जानकारी दी गई और किसी भी आपात स्थिति में इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी समस्याएं भी पूछी गईं तथा उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया गया। टीम द्वारा केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला

योजना, आयुष्मान भारत योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग करिस्पोंडेंट सखी एवं राष्ट्रीय पोषण मिशन की जानकारी देकर लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, एसआई अंकुर राणा सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। मिशन शक्ति टीम के इस अभियान से क्षेत्र में महिलाओं में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

आवारा कुत्ते के काटने को हल्के में लेना पड़ा भारी,चौथी की छात्रा की रेबीज से दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

मुंबई के मलाड इलाके से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 9 साल की बच्ची की रेबीज के कारण मौत हो गई। इस घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है क्योंकि महज एक इंजेक्शन के डर और परिवार की लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली। चिकित्सकों के अनुसार, छह महीने पहले हुए एक मामूली खरोंच को नजरअंदाज करना इस परिवार के लिए सबसे बड़ी भूल साबित हुआ।

इंजेक्शन का डर और इलाज में लापरवाही

9 वर्षीय कशिश साहनी करीब छह महीने पहले अपने दादाजी के साथ टहल रही थी, तभी एक आवारा कुत्ते ने उसे खरोंच दिया था। घटना के तुरंत बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सुई के डर से कशिश ने वैक्सीन लगवाने से साफ इनकार कर दिया और रोने लगी। चूंकि घाव गहरा नहीं था और कशिश कुछ दिनों में सामान्य दिखने लगी, इसलिए परिजनों ने भी उसे उपचार पूरा करने के लिए मजबूर नहीं किया। यह लापरवाही तब भारी पड़ी जब छह महीने बाद रेबीज के लक्षण उभरने लगे।

अचानक बिगड़ी तबीयत: पानी और भोजन से लगा डर

बीते कुछ दिनों से कशिश की स्थिति अचानक बिगड़ने लगी। उसने खाना-पीना पूरी तरह छोड़ दिया और उसे हाइड्रोफोबिया (पानी से डर) के लक्षण महसूस होने लगे। उसकी आंखें लाल हो गई थीं और वह काफी बेचैन रहने लगी। स्थिति गंभीर होने पर उसे कस्तूरबा अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन तब तक वायरस उसके मस्तिष्क तक पहुंच चुका था। सोमवार को इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। रेबीज एक ऐसा संक्रमण है जिसमें लक्षण दिखने के बाद मृत्यु दर लगभग 100% होती है।

बीएमसी अलर्ट: संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू

इस दर्दनाक मौत के बाद बृहन्मुंबई नगर निगम सतर्क हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कशिश के परिवार के सदस्यों और उन पड़ोसियों की चिकित्सा जांच करने का निर्णय लिया है जो पिछले कुछ दिनों में उसके संपर्क में आए थे। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कुत्ते या बिल्ली के काटने, या यहां तक कि मामूली खरोंच को भी कभी हल्का न लें। रेबीज का टीका समय पर लगवाना ही एकमात्र बचाव है, क्योंकि लक्षण दिखने के बाद दुनिया में इसका कोई सफल इलाज मौजूद नहीं है।

शाहाबाद समाचार के संस्थापक/प्रकाशक स्मृतिशेष राधेश्याम त्रिपाठी की श्रद्धांजलि सभा संपन्न

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई): हिन्दी साप्ताहिक ₹शाहाबाद समाचार₹ के संस्थापक/प्रकाशक/ सम्पादक रहे वरिष्ठ पत्रकार स्व. राधेश्याम त्रिपाठी की तृतीय पुण्यतिथि पर 16, पालिका कॉम्प्लेक्स, पालिका बाजार स्थित ₹शाहाबाद समाचार₹ के कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के सम्भ्रांतजनों व नगर के वरिष्ठ पत्रकारों ने स्मृतिशेष राधेश्याम त्रिपाठी को पुष्पांजलि अर्पण कर उनके संस्मरणों को याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाहाबाद तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता रिजवान उल्ला खां ने दीप जलाकर व कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव लक्ष्मी प्रकाश मिश्रा ने माल्यार्पण किया। इस मौके पर पत्रकारों व प्रबुद्धजनों में प्रमुख रूप से प्रख्यात कवि/पत्रकार ओमदेव दीक्षित, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष आलोक पाठक, शाहाबाद समाचार के सम्पादक स्मृतिशेष राधेश्याम के छोटे पुत्र ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री प्रभाकर त्रिपाठी एवं बड़े पुत्र सशक्त समाजवादी विद्यालय मंझिला के प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने पुष्पांजलि अर्पित की। इसी क्रम में दिनेश प्रसाद मिश्रा ने स्मृतिशेष राधेश्याम त्रिपाठी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के पत्रकारों को स्व. त्रिपाठी की निष्ठा, निष्पक्षता और कर्मठतापूर्ण किए गए कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। वे वेदाग छबि के निडर और साहसी व्यक्ति होने के साथ लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने वाले व्यक्तित्व थे। जिन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्मान के साथ सदैव याद किया जाता रहेगा, और उन्हें याद करते हुए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कमलेश मिश्रा, अशरफ अली, रईस अली, दिनेश चंद्र मिश्रा, सत्यपाल सिंह, अतुल मिश्रा, रवि शुक्ला, सुनील द्विवेदी, कमलेश त्रिवेदी, संतोष त्रिपाठी, अश्विनी पांडे, कमलेश चंद्र रस्तोगी, उमा दीक्षित, गुफरान कौसर, आजाद सिंह, राजपाल सिंह, कृष्ण कुमार पांडे, अवधेश पाठक, अनिल शुक्ला, वैभव मिश्रा, शरद दीक्षित, अवधेश कुमार सहित संभ्रांत जनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

फर्जी आईएएस बनकर शादी रचाने वाला प्रीतम निषाद गिरफ्तार

गोरखपुर पुलिस ने जालौन से दबोचा, कई शादियां और ठगी के आरोप

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गोरखपुर की युवती से खुद को फर्जी आईएएस अधिकारी बताकर शादी रचाने वाले आरोपी प्रीतम निषाद को कैंट पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। युवती के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश में इटावा गई थी। इसी दौरान उसकी लोकेशन बुंदेलखंड के जालौन में मिली, जहां कालपी रेलवे स्टेशन के पास से उसे दबोच लिया गया। पुलिस लाइन स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि आरोपी बेहद शातिर किस्म का व्यक्ति है, जो खुद को मणिपुर कैडर का आईएएस अधिकारी बताकर लोगों को गुमराह करता था। उसके पास से मोबाइल फोन, एक टैबलेट और आधार कार्ड बरामद किया गया है। शुरूआती जांच में दो शादियों की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य मामलों की जांच जारी है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह केवल हाईस्कूल पास है और कभी आईएएस की तैयारी नहीं की। फर्जी पहचान के सहारे वह लोगों पर रौब जमाता था और शादी करता था, लेकिन गोरखपुर में उसकी सच्चाई उजागर हो गई।

परिजनों ने खोली पोल, 25 शादियों का दावा

आरोपी के जीजा भानु निषाद ने बताया कि प्रीतम ने केवल हाईस्कूल तक पढ़ाई की है और उसने कभी किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी नहीं की। वह फर्जी तरीके से लोगों को प्रभावित कर शादी करता रहा। भानु के घर को अपना बताकर उसने गोरखपुर की युवती से 11 मार्च को शादी की थी। शादी के अगले दिन जब वह पत्नी को लेकर इटावा पहुंचा तो लड़की पक्ष के परिजन भी वहां पहुंच गए और सच्चाई सामने आने पर हंगामा हो गया। इसके बाद मारपीट के बीच लड़की को वापस ले जाया गया। परिजनों के अनुसार, प्रीतम की पहली शादी औरैया जिले के दौलतपुर गांव में हुई थी, जिसका अभी तक तलाक नहीं हुआ है। इसके बावजूद उसने दूसरी शादी कर ली। चचेरी बहन रश्मि ने बताया कि शादी के दौरान किसी को शक नहीं हुआ, लेकिन बाद में विवाद खड़ा हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रीतम लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर कभी खुद को अधिकारी तो कभी बड़ी नौकरी में होने का दावा करता था। वह फर्जी आईएएस बनकर अब तक 25 शादियां करने का आरोप झेल रहा है।

परिवार का दर्द, सख्त कार्रवाई की मांग

पीड़ित युवती के पिता, जो शारीरिक रूप से अस्वस्थ हैं, ने कहा कि आरोपी ने उनकी बेटी की जिंदगी बर्बाद कर दी। उन्होंने कहा कि एक नहीं, 25 शादियां कर चुका है। फर्जी आईएएस बनकर पैसे ऐंठे और हमारी बेटी को धोखा दिया। हम उसे किसी भी हालत में सजा दिलाकर रहेंगे। कैंट थाने में आरोपी प्रीतम निषाद, उसकी बहन, जीजा और अन्य सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और यदि अन्य पीड़ित सामने आते हैं तो उनके आधार पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्रि मेले में विंध्यधाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान छठे दिन भी जारी

अमन लेखनी समाचार

विंध्याचल। नवरात्रि मेले के दौरान विंध्य धाम को प्लास्टिक व पॉलीथीन मुक्त बनाने का अभियान छठवें दिन भी जारी रहा। गंगा वारियर एवं वन विभाग की टीम ने अखाड़ा एवं गुदारा घाट पर व्यापक सफाई अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरे का संग्रह किया। जिला वनाधिकारी के निर्देशन में जिला गंगा समिति के बैनर तले नवरात्रि के प्रथम दिन से ही विंध्य धाम के प्रमुख स्थलों पर प्लास्टिक व पॉलीथीन हटाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ ने नवरात्रि मेले से पूर्व मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के उपरांत विंध्य धाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री के आह्वान को अमल में लाते हुए गंगा वारियर सुबाष चंद्र ओझा, गंगा प्रहरी एवं वन क्षेत्राधिकारी (नगर) एस.पी. वर्मा के नेतृत्व में अभियान निरंतर जारी

है। इस दौरान विभिन्न प्रांतों से गंगा स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को मां गंगा की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के तहत श्रद्धालुओं को घाटों पर साफ-सफाई बनाए रखने, प्लास्टिक व पॉलीथीन का उपयोग न करने तथा बाजार में खरीदारी के दौरान जूट या कपड़े के थैलों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर उप वन क्षेत्राधिकारी विपिन सिंह, गुलाब चंद्र यादव, साजन, संदीप, अमन, विकास सहित अन्य कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्लास्टिक कचरे का संग्रह किया।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

ककरवई, झांसी। थाना ककरवई क्षेत्र के मछलीकांच मार्ग पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम मछलीकांच निवासी राजाबाबू (35) पुत्र रामप्रसाद सुबह करीब 10:30 बजे खेत से घर लौट रहे थे। सर्रा बाबा मोड़ के पास बालू से भरे डंपर (यूपी 93 एटी 7286) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और तुरंत डायल 112 व एंबुलेंस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गरौठा भेजा गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे गुरसराय रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555,
9935457982

E-mail address
amanlekhaninews
@gmail.com

लोगों को बस बोलने का बहाना चाहिए होता है : राकेश बेदी

मुंबई। राकेश बेदी इन दिनों फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। राकेश और उनकी सह-कलाकार सारा अर्जुन का एक वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह सारा के कंधे पर किस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर अब राकेश ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।उन्होंने कहा, 'लोगों को बस बोलने का बहाना चाहिए होता है। कुछ लोग तो बस कहते रहते हैं। शुक्र है, कई लोगों ने मेरा बचाव भी किया। 71 साल के मशहूर अभिनेता राकेश बेदी इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म ने अब तक 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। पिछले साल नवंबर में 'धुरंधर'के ट्रेलर लॉन्च के समय एक वीडियो वायरल हुआ था।

लाइफ Style

अनीत

रैंप वॉक और नए फैशन ने पिटवा दी भद

एजेंसी ⏭ मुंबई

'सैयारा' फिल्म में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाली अनीत पड्डा की रैंप वॉक पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। उनकी एक्टिंग की तो खूब तारीफ हुई, लेकिन रैंप वॉक और नए फैशन ने भद पिटवा दी।

'सैयारा' फिल्म से हर दिल पर छाने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा भले ही कितनी भी टैलेंटेड क्यों न हों, लेकिन एक्टिंग के अलावा जब बात रैंप वॉक की आती है तो उनकी भद पिट जाती है। 'पेरो' के लिए शो का समापन करने वाली अनीत पड्डा अपनी रैंप वॉक के वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद ऑनलाइन चर्चा का केंद्र बन गईं। हालांकि, यह युवा एक्ट्रेस के लिए फैशन जगत में एक बड़ा पल था, लेकिन ऑनलाइन उन्हें लेकर अलग ही बातें हो रही हैं। उनके रैंप वॉक को लेकर फिर से लोग काफी कुछ कह रहे हैं। कुछ ही घंटों में, शोस्टॉपर वॉक ट्रेंडिंग टॉपिक बन गई, खासकर रेडिट और इंस्टाग्राम पर। अनीत पड्डा ने लैक्मे की 'जेन जी' एंबेसडर के रूप में एक नीले और सफेद रंग के ड्रेस में रैंप वॉक किया, जो पेरो की सिग्नेचर स्टाइल को दिखाता है। इस लुक में टेक्सचर्ड एप्लिक वर्क वाली ड्रेस के ऊपर एक क्रॉप जैकेट पहनी गई थी, जो सॉफ्ट स्ट्रक्चर, बारीक डिटेलिंग से तैयार की गई थी। यह आउटफिट ग्लैमरस ड्रामा के बजाय युवा और थोड़ा चंचल अंदाज में था, जो लेबल की डिजाइन शैली से मैच कर रहा था। हालांकि, कई लोगों को यह स्टाइल उतना पसंद नहीं आया जितना सोचा गया था।

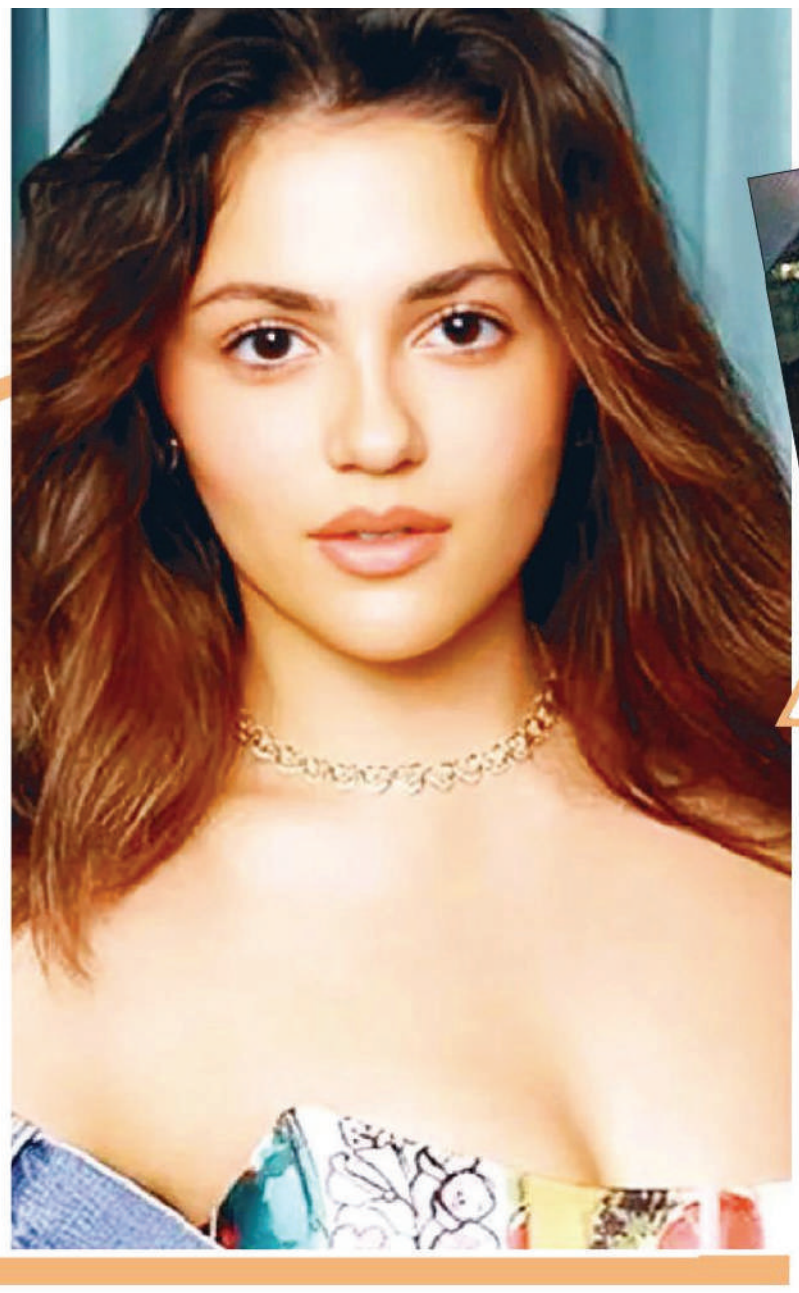

हॉलीवुड मसाला

रायन घोस्ट वॉर का टीजर रिलीज

नई दिल्ली। एंड्रयू बर्नस्टीन के निर्देशन में बनी फिल्म 'जैक रायन: घोस्ट वॉर' जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने वाली है। इस पॉलिटिकल एक्शन-थ्रिलर फिल्म में अभिनेता जॉन क्रासिंस्की एक बार फिर से सीआईए एनालिस्ट 'जैक रायन' के रूप में धमाकेदार एक्शन करते हुए एक नए और खतरनाक मिशन पर निकले हैं। हाल ही में प्राइम वीडियो ने इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें जैक रायन एक बार फिर से अपने पुराने फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

स्लॉटरहाउस-फाइव से की कॅरियर की शुरुआत...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री वैलेरी पेरिन के निधन से उनके फैंस आहत हैं। उनकी दोस्त ने उनके निधन की जानकारी देते हुए, उनकी अंतिम इच्छा के बारे में भी बताया है। दिग्गज अभिनेत्री वैलेरी पेरिन का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। वो लेनी और 'सुपरमैन' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती थीं। टेक्सास के गैल्वेस्टन में जन्मीं पेरिन ने फिल्म 'स्लॉटरहाउस-फाइव' से अपने फिल्मी कॅरियर की शुरुआत की। उनकी मां एक डांसर थीं और उनके पिता अमेरिकी सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल थे। वह दो बार प्लेबॉय मैगजीन में भी नजर आईं और 1973 में बूम जे फ्रेडमैन के नाटक 'स्टीमबाथ' के पीबीएस प्रसारण के दौरान जानबूझकर न्यूड अमेरिकी टेलीविजन पर दिखाई देने वाली पहली अभिनेत्री के रूप में सुर्खियों में आईं।

देसी गर्ल का ब्लैक ड्रेस में दिखा स्वैग...

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा ने मिलान में आयोजित एक इवेंट में शिरकत की। जहां पर प्रियंका के अलावा हॉलीवुड स्टार ऐनी हैथवे और दुआ लिपा के अलावा कई स्टार्स ने अपने लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान प्रियंका ने ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन और स्लीक बन हेयरस्टाइल के साथ चमचाती ज्वेलरी में एक नया ट्रेंड सेट कर दिया है। इस इवेंट में प्रियंका के अलावा कई हॉलीवुड अभिनेत्रियां भी नजर आईं। यह पूरा इवेंट फैशन और ग्लैमर से भरा हुआ था, जिसमें हर कोई अपनी स्टाइल से सबका ध्यान खींच रहा था। हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड ने इटली के मिलान शहर में अपना नया हाई-एंड कलेक्शन लॉन्च किया। यह इवेंट इतना शानदार था कि पूरा कार्यक्रम रेड कार्पेट जैसा लग रहा था।

पैपराजी ने बहन को समझ लिया बीबी

मुंबई। फरदीन खान का एक वीडियो इस वक्त काफी चर्चा में है जिसमें उनके साथ नजर आ रही लेडी को लोग उनकी पत्नी बता रहे हैं। सोमवार को मुंबई में एक अवॉर्ड फंक्शन में पपाराजी के सामने पोज़ देते हुए फरदीन खान ने फाइनली लोगों की कन्फ्यूजन को दूर किया। दोनों कैमरे पर काले रंग के लिबास में ट्विनिंग करते दिखे। साथ में पोज़ देते हुए लोगों ने जिन्हें फरदीन खान की पत्नी बताया, उनके बारे में एक्टर ने कहा- ये बहन है, बीवी नहीं है। दरअसल, इस मौके पर फरदीन अपनी बहन लैला खान के साथ नजर आए। पैपराजी ने लैला को फरदीन की पत्नी समझ लिया। फरदीन एक वीडियो में उनकी इसी गलती को सुधारते दिख रहे हैं। वीडियो में फरदीन कहते दिख रहे हैं, 'ये बहन है मेरी, बीवी नहीं।

टीवी मसाला

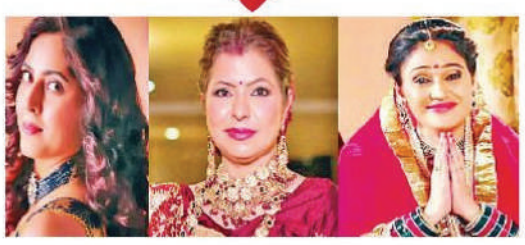

इन कलाकारों ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को कहा अलविदा

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी के सबसे मशहूर शोज में से एक है। यह पिछले 18 वर्षों से दर्शकों की पसंद बना हुआ है। कई मशहूर कलाकारों ने किसी वजह से इस शो को छोड़ दिया। कुछ कलाकारों को कहीं काम नहीं मिला, कुछ ने खुद काम नहीं किया है। मोनिका भदौरिया ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मेकर्स पर टॉर्चर करने और बुरा बर्ताव करने का इल्जाम लगाया था। इसके बाद उन्होंने शो से दूरी बना ली। इसके बाद वह किसी शो का हिस्सा नहीं बन सकीं। इन दिनों वह सोशल मीडिया पर अपने फोटो और वीडियो शेयर करती हैं। जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने प्रोड्यूसर असित मोदी पर संगीन इल्जाम लगाए थे। इसके बाद उन्होंने शो को अलविदा कह दिया था। शो छोड़ने के बाद उन्हें काम नहीं मिल रहा। बताया जाता है कि वह अपने करियर के बुरे दौर से भी गुजरीं। अब वह सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं। वह फनी वीडियो बनाती हैं। दिशा वकानी यानी दयाबेन ने साल 2017 में मैटरनिटी लीव के लिए 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से ब्रेक लिया था। वह दो बच्चों की मां बन गईं। हालांकि उन्होंने दोबारा शो नहीं ज्वाइन किया। फिल्हाल वह एक्टिंग से दूर हैं। वह बच्चों और घर को संभाल रही हैं। गुरुचरण सिंह ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को 2018 में अलविदा कहा था। उन्होंने अपने पिता की देखभाल के लिए ब्रेक लिया था। इसके बाद वह किसी शो का हिस्सा नहीं बन पाए। इन दिनों वह दिल्ली में एक रेस्टोरेंट चला रहे हैं। शो में शैलेश लोढ़ा ने तारक मेहता का रोल प्ले किया था। उनके भी असित मोदी के साथ रिश्ते खराब हो गए थे। मेकर्स के साथ फीस को लेकर उनकी अनबन हो गई थी। शो छोड़ने के बाद उन्होंने दूसरे शो 'वाह भाई वाह' को होस्ट किया।

द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू

नई दिल्ली। करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की शूटिंग राजस्थान में शुरू हो गई है। इस हाई-स्टेक वाले साइकोलॉजिकल रियलिटी फॉर्मेट के लिए कंटेस्टेंट्स का एक नया ग्रुप जैसलमेर पहुंच गया है। यह शो मशहूर पार्टी गेम 'माफिया' पर आधारित है। इस बार 'द ट्रेटर्स सीजन 2' में कई 'बिग बॉस' विनर्स हिस्सा लेने वाले हैं। इसमें एल्विश, श्वेता तिवारी, मुनव्वर फारूकी से लेकर रुबीना दिलैक तक के नाम हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जाता है 'द ट्रेटर्स 2' की शूटिंग लगभग 14 दिनों तक चलेगी। रिपोर्ट में 'द ट्रेटर्स सीजन 2' के कई अन्य कंटेस्टेंट्स के नाम का खुलासा किया गया है। इनमें 'बिग बॉस' से अथाह शोहरत पाने वाले यूट्यूबर अभिषेक मल्हान का भी नाम है।

इस हफ्ते रिलीज होंगी हेल मैरी समेत ये हॉलीवुड एक्शन और थ्रिलर फिल्में

मुंबई। बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' रिलीज हो चुकी है। मगर आने वाले हफ्ते में हॉलीवुड में भी एक के बाद एक हाई ऑक्टेन एक्शन और थ्रिलर फिल्में रिलीज होने वाली है। जिनमें से एक का दर्शक काफी समय से इंतजार कर रहे थे।

दे विल किल यू : फिल्म 'दे विल किल यू' एक एक्शन, कॉमेडी फिल्म है। जिसमें एक पूर्व कैदी महिला का किरदार दिखाया है। वह एक हाउसहेल्प की जॉब के लिए न्यूयॉर्क शहर के रहस्यमय इलाके में पहुंचती है। जहां लोगों के गायब होने की घटनाएं घट रही हैं। वहां जा कर एशिया रीव्स के साथ बहुत कुछ अप्रत्याशित होता है। कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म में जाजी बीट्ज, मायहाला, पैटरसन जोसेफ, टॉम फेल्टन मुख्य किरदार हैं।

फॉर्बिडन फ्रूट : 'फॉर्बिडन फ्रूट' एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कहानी में एप्पल, चेरी और फिग नाम की जादूगरनियों साथ मिलकर अपना एक ग्रुप चलाती हैं। बाद में पम्पकिन नाम का एक किरदार उनसे जुड़ जाती है। जिसके बाद उन सब के बीच अफरा- तफरी मचा देती है। इस किरदार के आने से उन सब के बीच संदेह पैदा हो जाता है। फिल्म 27 मार्च को रिलीज होने वाली है। लिली रेनहार्ट, लोला टंग, विक्टोरिया पेड्रेटी, एलेक्जेंड्रा शिप, एम्मा चेम्बरलेन इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शी डांसेस : शी डांसेस बहुत ही मार्मिक विषय पर बात करती है। पिता और बेटी के रिश्ते पर बेस्ड इस फिल्म में एक सिंगल पिता अपनी टीन एज बेटी से पहली मुलाकात करता है। जिसके बाद अपने और बेटी के संबंध सुधारने के लिए उसके साथ एक नृत्य प्रतियोगिता में उसे साथ ले जाने का फैसला करता है। यह कॉमेडी ड्रामा फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। एथन हॉक, सोनेक्वा मर्टिन-वीन, मैकेंजी जिग्लर, रोजमेरी डेविट कास्ट में हैं। फिल्म को रिक गोमेज ने निर्देशित किया है।

द एआई डॉक: या हाउ आई विकेम एन एपोकालोप्टिमिस्ट : साइंस और एआई में रूचि रखने वालों के लिए यह फिल्म काफी इंट्रेस्टिंग है। डैनियल रोहर एक ऐसे समय में पिता बनना चाहता है जब एआई मानव जीवन पर हावी है। इस क्रम में वो एआई के दोनों पहलुओं को देखता है। सिर्फ यह जानने के लिए कि वो किस वातावरण में अपने बच्चे का स्वागत करेगा। द एआई डॉक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म है जिसका निर्देशन खुद डैनियल रोहर ने चार्ली टायरेल के साथ मिलकर किया है।

रैपर बादशाह ने ईशा के साथ गुपचुप तरीके से रचाई शादी

मुंबई। चर्चित सिंगर और रैपर बादशाह ने शादी रचा ली है। बादशाह की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सिंगर ने ईशा रिखी के साथ गुपचुप तरीके से शादी रचाई है। यह बादशाह की दूसरी शादी है। इससे पहले उन्होंने जैस्मिन मसीह से शादी की थी। हालांकि, छह साल पहले दोनों का तलाक हो चुका है। अब ईशा के साथ उन्होंने जिंदगी का नया सफर शुरू किया है। बादशाह जहां म्यूजिक की दुनिया का बड़ा नाम हैं, वहीं उनकी दुल्हनिया ईशा रिखी का सिक्का अभिनय की दुनिया में चलता है। वे मॉडल और एक्ट्रेस हैं। ईशा रिखी का जन्म 9 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनकी स्कूलिंग चंडीगढ़ से ही हुई है। वहीं, से पंजाब यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री हासिल की। 12वीं क्लास में ईशा ने मॉडलिंग शुरू कर दी थी।

1978 के बाद बदला स्टारडम का पूरा गेम

बिग बी की वो फिल्में, जिन्होंने छीन ली थी काका की नींद

नई दिल्ली। 70 का दशक बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना के लिए एक सपने जैसा था, लेकिन अमिताभ बच्चन की लगातार 20 सफल फिल्मों ने इसे एक डरावनी सच्चाई में बदल दिया। 1973 की 'जंजीर' से शुरू हुआ यह ट्रेंड 1978 की 'मुकद्दर का सिकंदर' तक बॉलीवुड को पूरी तरह से बदल चुका था। इन फिल्मों की सफलता ने राजेश खन्ना के मन में स्टारडम खोने का ऐसा डर पैदा कर दिया।

एंग्री यंग मैन

अमिताभ बच्चन की उन 20 लैंडमार्क फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस के समीकरण बदले, बल्कि राजेश खन्ना के 'चॉकलेटी रोमांस' के दौर को भी खत्म कर दिया और 'एंग्री यंग मैन' के सुनहरे दौर की शुरुआत की। कहानी शुरू होती है 1973 से, जब राजेश खन्ना बॉक्स ऑफिस पर छाए हुए थे। लेकिन फिर, 'जंजीर' से पुलिस की वर्दी पहने एक 'एंग्री यंग मैन' ने ऐसी धूम मचाई कि पूरा सिस्टम हिल गया।

घर-घर में हो गए मशहूर

इसके तुरंत बाद, ऋषिकेश मुखर्जी की 'नमक हराम' आई, जिसमें राजेश खन्ना के सामने खड़े अमिताभ ने शो चुरा लिया और कहा जाता है कि तभी पहली बार 'काका' को अपना स्टारडम खोने का डर सताने लगा। उसी साल अमिताभ ने अभिमान में एक कलाकार के इगो की कहानी कहकर दर्शकों के दिलों में गहरी जगह बनाई. अगले दो सालों में अमिताभ बच्चन ने थ्रिलर और ड्रामा का कॉकटेल पेश किया, जिससे वह मजबूर, कसौटी और बेनाम जैसी फिल्मों से घर-घर में मशहूर हो गए।

बॉलीवुड का बेताज बादशाह

आखिरकार, 1978 वह 'गोल्डन ईयर' बन गया जिसने पूरी तरह से खेल बदल दिया। 'डॉन' के रूप में, उन्होंने अंडरवर्ल्ड का ऐसा अकड़ दिखाया कि दुनिया दीवानी हो गई, जबकि त्रिशूल में अपने पिता के खिलाफ खड़े एक बागी बेटे के रूप में उनकी दहाड़ ने राजेश खन्ना की बची-खुची हिम्मत को चकनाचूर कर दिया। उसी साल कसमे वादे में अमिताभ बच्चन के डबल रोल और मुकद्दर का सिकंदर में उनके बलिदान, जिसमें सिकंदर जोहराबाई के कोठे पर मर जाता है, ने अमिताभ बच्चन को बॉलीवुड का बेताज बादशाह बना दिया।

एक्टिंग की वर्सटैलिटी दिखाया

1975 वह साल था जिसने बॉलीवुड के इतिहास को बांट दिया। एक तरफ 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के 'आज खुश तो बहुत होगे तुम' ने राजेश खन्ना के 'चॉकलेट रोमांस' के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी, तो दूसरी तरफ 'शोले' की सुनामी ने उन्हें 'सिक्का उछालने वाले' के तौर पर स्थापित कर दिया। उसी साल 'जमीर' और 'मिली' जैसी फिल्मों ने उनकी एक्टिंग की वर्सटैलिटी को दिखाया। 1970 के दशक के आगे बढ़ने के साथ, राजेश खन्ना को सोलो फिल्में पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि अमिताभ बच्चन ने मल्टी-स्टारर फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर राज किया।

बैक-टू-बैक हिट फिल्में

दो अनजाने में बदले की आग और हेरा फेरी की मस्ती ने उन्हें युवाओं का पसंदीदा बना दिया। फिर 1977 में अमर अकबर एंथनी ने कॉमेडी और कमर्शियल सिनेमा के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इसने परवरिश, खून पसीना और अदालत जैसी बैक-टू-बैक हिट फिल्मों के साथ, राजेश खन्ना को एहसास दिलाया कि वह दौर जब सिर्फ 'गर्दन टेढ़ी करके मुस्कुराने' से फिल्में बन जाती थीं, अब खत्म हो गया है।